संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
सोमवार
10 नवंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 137
कुल पृष्ठ:08
मूल्य: 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

मुख्य मंत्री ने श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए अमृतसर ले जाने वाली बसों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हिन्द जनपथ

धूरी (संगरूर) (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत पवित्र शहर अमृतसर में धार्मिक स्थानों के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं को ले जाने वाली बसों के पहले बैच को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्रद्धालुओं से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह यात्रा नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित है। उन्होंने कहा कि यह योजना 29 अक्टूबर, 2025 को गांव बरड़वाल से शुरू की गई थी और इन श्रद्धालुओं का चयन पारदर्शी ढंग से ड्रॉ के माध्यम से किया गया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा पवित्र स्थानों की यात्रा की सुविधा देकर पंजाबियों में सामाजिक और धार्मिक सद्भावना को मजबूत करने के लिए यह एक विनम्र पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल उन बुजुर्ग नागरिकों की दिल की इच्छा को पूरा कर रही है, जो लंबे समय से पवित्र धार्मिक स्थानों के दर्शन-दीदार की तमन्ना रखे बैठे थे। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत श्रद्धालुओं को श्री हरिमंदिर साहिब, दुर्गियाना मंदिर, भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल, जलियांवाला बाग, पार्टिशन म्यूजियम और अमृतसर के अन्य धार्मिक तथा ऐतिहासिक स्थानों के दर्शन करवाए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह योजना सभी जातियों, धर्मों, आय वर्गों और हर क्षेत्र से संबंधित लोगों के लिए है।

अधिक जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने श्रद्धालुओं के लिए तीन दिन और दो रातों की मुफ्त ठहरने के लिए विस्तृत प्रबंध किए हैं। उन्होंने कहा कि 50 वर्ष या इससे अधिक आयु के श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए पंजीकृत किया गया है और पंजीकरण के लिए वोटर आईडी कार्ड अनिवार्य किया गया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्रद्धालुओं को एसी बसें, एसी होटल आवास और भोजन मुफ्त प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक बस में यात्रियों की सहायता के लिए एक सहायक होगा और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान करने के लिए एक मेडिकल टीम भी श्रद्धालुओं के साथ होगी। उन्होंने कहा कि यात्रा की समाप्ति के बाद, सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा

कि पंजाब महान गुरुओं, देवी-देवताओं, संतों-पीरों और शहीदों की पवित्र धरती है जिन्होंने हमें आपसी भाईचारे, साझेदारी और एकता का संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे खुद को भाग्यशाली समझते हैं कि परमात्मा ने उन्हें इस नेक कार्य के माध्यम से लोगों की सेवा करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि यह योजना महान गुरु साहिबान, जिन्होंने लोगों को आपसी भाईचारा, एकता और शांति का संदेश दिया, की शिक्षाओं और दर्शन के अनुसार तैयार की गई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि प्रदेश में समाज का एक बड़ा वर्ग किसी न किसी कारण से देश भर में इन पवित्र स्थानों के दर्शन नहीं कर सका।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य सरकार ने यह योजना देश और प्रदेश भर के विभिन्न पवित्र स्थानों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं के लिए शुरू की है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस की याद में विभिन्न जिलों और श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक समागमों और मुख्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए क्रमवार समागमों का कार्यक्रम तैयार किया है।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं जिसके कारण वे गैर-जिम्मेदार और तर्कहीन बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे निरर्थक बयान किसी साधारण या समझदार व्यक्ति द्वारा नहीं दिए जाते।

- **इस पहलकदमी का उद्देश्य लोगों की पवित्र स्थानों पर माथा टेकने की इच्छा को पूरा करना**
- **प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं, इसलिए गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे**

मोटी-मोटी बातें

बिहार में लाल झंडे की आड़ में नक्सलवाद लाने की हो रही कोशिश: अमित शाह

अरवल। बिहार विधानसभा के प्रचार के आखिरी दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अरवल में चुनावी सभा को संबोधित किया और उन्होंने लोगों को सचेत किया कि बिहार में लाल झंडे की आड़ में नक्सलवाद लाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार में नक्सलवाद और जंगलराज को समाप्त कर दिया है।

अब किसी की हिम्मत नहीं है कि बिहार में फिरौती, खून-खराबा, अपहरण और नक्सलवाद को फिर से फैलाए। अमित शाह ने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार उद्योग-धंधे लाने को लेकर काम कर रही है। उन्होंने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि इन लाल झंडे वाले 'माले' वालों को अरवल में ही रोक लें, ताकि यह पटना नहीं पहुंच पाए। यदि लाल झंडा आया तो ये उद्योग कभी नहीं आने देंगे। अमित शाह ने एनडीए की फिर से सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि बिहार में पहले चरण का चुनाव समाप्त हो चुका है। पहले ही चरण में लालू की पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया। पहले चरण में तय हो चुका है कि बिहार में एनडीए की सरकार बनने वाली है। उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि राहुल गांधी कभी 15 दिन तक शरीर पर धूल नहीं लगने देते, लेकिन फिर भी उन्होंने घुसपैठियों के लिए बिहार में यात्रा निकाली है।

उन्होंने कहा कि ये घुसपैठिए युवाओं की नौकरियां छीनते हैं, गरीबों के हिस्से में सेंध लगाते हैं और देश को भी असुरक्षित करते हैं। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या यहां घुसपैठिए रहने चाहिए? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को जितनी यात्रा निकालनी है बिहार से लेकर इटली तक निकाल लें, लेकिन यहां से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर बाबा साहेब का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बाबा साहेब का नाम इनके लिए वोट बटोरने का नाम है जबकि हमारे लिए यह श्रद्धा है। बाबा साहेब जब तक जिंदा रहे, तब तक कांग्रेस ने उनका विरोध किया। उन्हें भारत रत्न तब मिला, जब कांग्रेस सत्ता से बाहर गई।

अमेरिका में 'शटडाउन' का असर, लगातार दूसरे दिन 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द

वाशिंगटन- अमेरिकी विमानन कंपनियों ने मुख्यतः 'शटडाउन' (सरकारी कामकाज के लिए वित्तपोषण की कमी) के कारण लगातार दूसरे दिन शनिवार को फिर से 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि अगर इसी तरह उड़ानें रद्द होती रहीं तो इसका असर व्यापक होगा।

उत्तरी कैरोलाइना के चार्लोट हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह सबसे अधिक असर पड़ा और वहां दोपहर तक 130 उड़ानें रद्द कर दी गईं। अटलांटा, शिकागो, डेनवर और न्यूजर्सी के नेवार्क हवाई अड्डों पर भी व्यवधान देखा गया। रडार केंद्रों और नियंत्रण टावरों में कर्मचारियों की लगातार कमी के कारण शनिवार को न्यूयॉर्क शहर के आसपास के कई पूर्वी तट हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द और विलंबित हो गईं। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने संघीय 'शटडाउन' के बीच देशभर में उड़ानों को कम करने का आदेश दिया है। हालांकि सभी उड़ानों के रद्द होने का कारण एफएए का आदेश नहीं है। रद्द हुई उड़ानों की संख्या देश भर में कुल उड़ानों का एक छोटा सा हिस्सा है लेकिन अगर 'शटडाउन' जारी रहा तो आने वाले दिनों में इनकी संख्या में वृद्धि होना तय है। शटडाउन के कारण घरेलू गतिविधियां तो ठप हो ही रही हैं और अब समुद्र के पार यूरोप के अन्य देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर काम करने वाले स्थानीय कर्मचारियों को भी इसका असर महसूस होने लगा है। यूरोप में विदेशी अड्डों पर काम करने वाले हजारों लोगों को लगभग छह सप्ताह पहले शटडाउन शुरू होने के बाद से वेतन नहीं मिल रहा है। कुछ मामलों में, उन देशों ने बिल चुकाए हैं जहां अमेरिकी सैन्य अड्डे हैं। उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका अंततः इसकी भरपाई कर देगा।

तालिबान सरकार ने वार्ता की विफलता के लिए पाकिस्तान को ठहराया जिम्मेदार, कहा- अनुचित थी मांगें

इस्लामाबाद- तुर्किये के शहर इस्तांबुल में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच शांति वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो जाने के लिए दोनों देश एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहा है। हाल के हफ्तों में सीमा पर हुए भीषण संघर्ष के बाद तनाव बढ़ गया है जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए हैं।

काबुल में नौ अक्टूबर को कई विस्फोटों के बाद हिंसा भड़क गई। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने आरोप है कि ये पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन हमले थे। कतर की मध्यस्थता में 19 अक्टूबर को हुए संघर्षविराम के बाद झड़पें कम हुईं।

अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने वार्ता की विफलता के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि ''वार्ता में पाकिस्तान की मांगें अनुचित थीं जिससे बातचीत आगे नहीं बढ़ सकी तथा बैठक बेनतीजा रही।''

उन्होंने कहा कि वार्ता ''फिलहाल ठप'' है। शनिवार को दक्षिणी अफगान शहर कंधार में प्रेस वार्ता के दौरान मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान ''क्षेत्र में असुरक्षा नहीं चाहता है और युद्ध का हिस्सा बनना हमारा पहला विकल्प नहीं है.... लेकिन अगर युद्ध छिड़ता है, तो हमें अपनी रक्षा करने का अधिकार है।'' इस्तांबुल में दो दिवसीय वार्ता की मध्यस्थता तुर्किये और कतर ने की थी। यह शांति वार्ता का तीसरा दौर था। अधिकारियों ने कहा कि पिछले दरवाजे से गहन कूटनीति के बावजूद शुक्रवार देर रात चर्चा बिना किसी ठोस प्रगति के रुक गई। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार देर रात निजी 'जियो न्यूज' चैनल को बताया कि ''बातचीत खत्म हो गई है'' और पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ''भविष्य की किसी भी बैठक की योजना'' के बिना देश लौट रहा है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की सीमा ही नहीं, बल्कि देश का अग्रिम चेहरा : पीएम मोदी

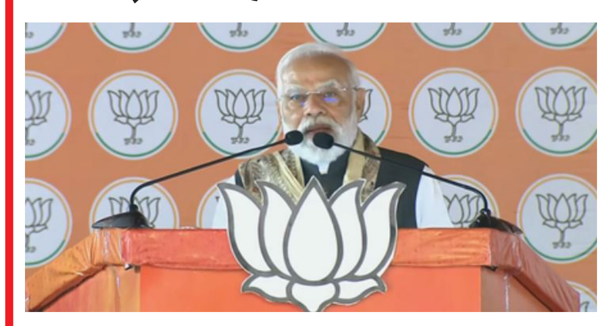

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की सीमा ही नहीं, बल्कि अब यह देश का अग्रिम चेहरा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के आर्टिकल पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने लिखा, 'इस आर्टिकल में केंद्रीय मंत्री जेएम सिंधिया ने उत्तर पूर्व की अपनी यात्रा का अनुभव शेयर किया और वहां की सुंदरता और लोगों की अटूट भावना के बारे में बताया है।' पीएम मोदी ने आगे लिखा, 'केंद्रीय मंत्री ने उत्तर पूर्व को 'अष्टलक्ष्मी' बताते हुए कहा कि कैसे यह दक्षिणपूर्व एशिया के लिए भारत का प्राकृतिक गेटवे बन रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की सीमा ही नहीं, बल्कि देश का अग्रिम चेहरा है।'

आर्टिकल में सिंधिया ने कहा, 'पूर्वोत्तर की मनमोहक सुंदरता की बराबरी केवल यहां के लोगों की गर्मजोशी, सादगी और अदम्य साहस से ही हो सकती है, जिन्होंने मुझ पर अमिट छाप छोड़ी है। मैं इस यात्रा से इस क्षेत्र की प्रगति और समृद्धि के लिए और भी अधिक परिश्रम और लगन से काम करने के नए संकल्प के साथ घर लौट रहा हूं।' केंद्रीय मंत्री ने आगे लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार पूर्वोत्तर को संपर्क, संस्कृति और वाणिज्य के एक जीवंत केंद्र में बदल रही है। अगर उनकी दूरदर्शी सोच और चुनौतियों को अवसरों में बदलने की क्षमता न होती, तो आशा और संभावनाओं का यह पुनरुत्थान शायद अभी भी एक दूर का सपना ही बना रहता।' उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे यह क्षेत्र 'लैंडलॉक' से 'लैंडलिंक्ड' होता जा रहा है, परिवर्तन की रफ्तार को महसूस किया जा सकता है, जहां विकास समावेशिता और गरिमा के साथ-साथ चल रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने अपर शिलांग स्थित मशरूम विकास केंद्र के अपने दौरे का जिक्र किया, जिसे ग्रामीण आजीविका में बदलाव लाने के लिए बनाया गया है। उत्तर पूर्वी परिषद के तहत 1982 में स्थापित, इस केंद्र में अब नव स्थापित शिटाके मशरूम उत्पादन एवं प्रशिक्षण केंद्र है, जो हर साल लगभग 1.5 लाख लकड़ी के बुरादा के ब्लॉक का उत्पादन करता है, जिनमें से प्रत्येक से एक किलोग्राम शिटाके मशरूम प्राप्त होता है जिसकी बाजार में कीमत 1,000 रुपए तक होती है। सिंधिया ने कहा, 'आंकड़ों से परे, जो बात मेरे दिमाग में रही, वह थी उन किसानों के चेहरे और कहानियां जिनसे मैं मिला, उनकी आंखें गर्व से चमक रही थीं, जब उन्होंने बताया कि कैसे यह पहल सम्मानजनक आजीविका बनाने, हरित उद्यमिता को पोषित करने और प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित एक सच्चे आत्मनिर्भर पूर्वोत्तर को विकसित करने के उद्देश्य से प्रेरित है।'

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव के लिए 'AAP' ने की उम्मीदवारों की घोषणा, खोई जमीन वापस पाने का एक और मौका

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी ने दिल्ली नगर निगम के 12 वार्डों के लिए 30 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के वास्ते नामांकन दाखिले की अंतिम तिथि से पहले रविवार को अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। इस सूची को पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मंजूरी दी है। चुनावों में आप और भाजपा के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

यह चुनाव 'आप' के लिए दिल्ली नगर निगम में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का एक मौका है। वहीं भाजपा के 250-सदस्यीय नागरिक निकाय में अपनी संख्या को और मजबूत करने पर ध्यान देगी। आप ने राम स्वरूप कनौजिया को दक्षिण पुरी से, अनुज शर्मा को संगम विहार-ए से और ईशना गुप्ता को ग्रेटर कैलाश से चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं, विनोद नगर से गीता रावत को और शालीमार बाग (बी) से बबिता अहलावत को 'आप' का उम्मीदवार बनाया गया है। उपचुनाव के लिए सीता विकास गोयल को अशोक विहार, हर्ष शर्मा को चांदनी चौक और मुदस्सिर उस्मान कुरैशी को चांदनी महल से मैदान में उतारा गया है।

इसके साथ ही राजबाला सहरावत द्वारका-बी से, अनिल लाकरा मुंडका से, राजन अरोड़ा नारायणा से और केशव चौहान दिचाऊ कलां से चुनाव लड़ेंगे। दिल्ली एमसीडी उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर है और दस्तावेजों की जांच 12 नवंबर को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 15 नवंबर निर्धारित की गई है। इससे पहले 12 वार्डों में से नौ पर भाजपा का कब्जा था और शेष तीन पर आम आदमी पार्टी के पार्षद थे।

रेखा गुप्ता शालीमार बाग-बी वार्ड का प्रतिनिधित्व करती थीं, लेकिन इस साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव जीतने और दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने यह पद छोड़ दिया था। भाजपा की कमलजीत सहरावत के पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने द्वारका-बी वार्ड छोड़ दिया था। इस वर्ष फरवरी में हुए विधानसभा चुनावों के बाद विभिन्न वार्ड खाली हो गए, क्योंकि वहां के मौजूदा भाजपा और आम आदमी पार्टी के पार्षद विधायक बन गए थे।

नौ नवंबर का ये दिन एक लंबी तपस्या का फल है : प्रधानमंत्री

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उत्तराखंड राज्य स्थापना की पच्चीसवें वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि नौ नवंबर का ये दिन एक लंबी तपस्या का फल है और आज का दिन हम सभी को गर्व का अहसास करा रहा है।

श्री मोदी ने गढ़वाली भाषा में अपना भाषण शुरू करते हुए कहा ' दीदी भुल्यों...दाणा सयाणों। आप सभी तैं म्यार नमस्कार' ,उत्तराखंड की देवतुल्य जनता ने जो सपना देखा था वो अटल जी की सरकार में 25 साल पहले पूरा हुआ था और आज उत्तराखंड का मन प्रफुल्लित है।'

उन्होंने कहा ' उत्तराखंड आज अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है। मेरा उत्तराखंड से बहुत गहरा लगाव है और जब मैं यहां आता था तो लोगों की लगन, ललक मुझे प्रेरित करती थी। उसने मुझे सही मायनों में उत्तराखंड की सामर्थ्य से परिचित कराया। ये दशक उत्तराखंड का केवल वाक्य नहीं था, मुझे आप सब पर पूरा भरोसा था। ये उत्तराखंड के उत्कर्ष

का कालखंड है। जब उत्तराखंड नया बना था तब चुनौतियां कम नहीं थी। संसाधन सीमित थे, बजट नहीं होता था। ज्यादातर जरूरत केंद्र की मदद से पूरी होती थी। आज तस्वीर बदल चुकी है।'

श्री मोदी ने कहा ' आज उत्तराखंड जिस ऊंचाई पर है, उसे देखकर हर उस व्यक्ति का खुश होना स्वाभाविक है, जिन्होंने राज्य के लिए संघर्ष किया था। मुझे इस बात कि खुशी है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार उत्तराखंड के सामर्थ्य को नई ऊंचाई देने में जुटी है। मैं रजत जयंती की बधाई देता हूं। उन आंदोलनकारियों को भी श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं, जिन्होंने राज्य के गठन की मांग को लेकर अपने प्राणों का बलिदान दिया।'

प्रधानमंत्री ने कहा ' 'जहां चाह वहां राह'। हमें पता होगा कि हमारा लक्ष्य क्या है तो निश्चित ही हम आगे बढ़ेंगे। उत्तराखंड ने इसे साबित कर दिखाया है। यहां आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों की मांग बढ़ी है। यहां हर विधानसभा क्षेत्र में योग केंद्र, होम स्टे, एक कंप्लीट पैकेज बनने चाहिए। ताकि विश्व के नक्शे में उत्तराखंड का एक नया अध्याय बने।'

श्री मोदी ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल से जुड़े प्रोजेक्ट यहां विकास की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। उत्तराखंड सरकार अब सेब और कीवी के किसानों को डिजिटल अनुदान देना शुरू कर रही है। उत्तराखंड का हर गांव वैक्सीन के दायरे में आ गया है। प्रदेश की विकास की ये यात्रा अदभुत है। ये बदलाव सबको साथ लेकर चलने, हर उत्तराखंडी के संकल्प का नतीजा है।

उन्होंने कहा ' 2047 मा भारत तै विकसित देशों की लेन मा ल्ल्याण को मेरु उत्तराखंड मेरू देवभूमि पूरी तरह से तैयार छः।'

दिल्ली में 24 निगरानी केंद्रों ने वायु गुणवत्ता को 'गंभीर' श्रेणी में बताया

नयी दिल्ली- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बनी रही और समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया है।

बोर्ड के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 24 निगरानी केंद्रों ने वायु गुणवत्ता को 'गंभीर' श्रेणी में बताया है जबकि केंद्रों ने एक्यूआई 300 से अधिक दर्ज किया है जो कि वायु गुणवत्ता को 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्शाता है।

सीपीसीबी के मानकों अनुसार शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत तापमान से 2.7 डिग्री अधिक है जबकि सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता 79 प्रतिशत दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार हल्की धुंध के साथ अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

लालू का समोसा बेस्वाद हो गया है, बिहार की जनता को अब एनडीए का आलू के साथ पनीर वाला समोसा पसंद है: राजनाथ सिंह

सासाराम/औरंगाबाद- केंद्रीय रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि बिहार में लालू यादव का आलू वाला समोसा अब बेस्वाद हो गया है और लोगों को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का आलू के साथ पनीर वाला समोसा पसंद आ रहा है।

श्री सिंह ने आज पहले सासाराम के एनडीए प्रत्याशियोंऔर उसके बाद औरंगाबाद जिले के गोह विधानसभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशी डॉ रणविजय सिंह के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह समय खत्म हो गया जब कहा जाता था कि 'जब तक रहेगा समोसे में आलू, तब तक रहेगा बिहार में लालू'। उन्होने कहा कि भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति ने लालू के समोसे को बेस्वाद कर दिया है और अब लोगों को एनडीए का समोसा पसंद आ रहा है, जिसमे आलू के साथ पनीर तथा कई अन्य स्वादिष्ट सामग्री डाली गई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनता (राजद) और कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार के मामलों में आजकल जमानत पर हैं और दूसरी तरफ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजनीतिक जीवन बिल्कुल बेदाग है। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं के चलते

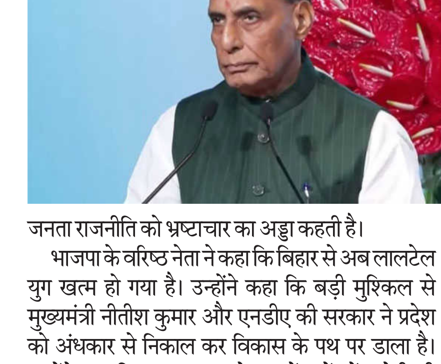

जनता राजनीति को भ्रष्टाचार का अड्डा कहती है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि बिहार से अब लालटेल युग खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि बड़ी मुश्किल से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए की सरकार ने प्रदेश को अंधकार से निकाल कर विकास के पथ पर डाला है। उन्होंने कहा कि 11 साल पहले जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई थी तब भारत की आर्थिक रैंकिंग दुनिया मे 11 वें नम्बर पर थी और आज देश विश्वस्तर पर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही भारत दुनिया के विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होगा, लेकिन ऐसा तभी संभव है, जब देश के अंदर बिहार जैसे प्रदेश भी तेजी से प्रगति करें।

शेखर कपूर एआई की मदद से दोबारा बनाएंगे फिल्म 'पानी'

नयी दिल्ली- करीब एक दशक बाद चर्चित फिल्म निर्देशक शेखर कपूर अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म 'पानी' को फिर से जीवंत करने की तैयारी में हैं, लेकिन इस बार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से बनाया जायेगा।

गौरतलब है कि यह वही फिल्म है जिसमें दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को मुख्य भूमिका के लिए चुना गया था, लेकिन निर्माता यशराज फिल्म्स के हटने के बाद यह फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई थी।

शेखर कपूर ने यूनीवार्ता से बातचीत में बताया कि अब वह फिल्म 'पानी' को एआई तकनीक के जरिए दोबारा बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। उनके अनुसार, 'कई लोगों ने कहा था कि यह फिल्म बहुत महंगी है। लेकिन अब मैं इसे एआई से बनाने जा रहा हूं, जो तेज़ और किफायती, दोनों है। इस बार फिल्म ज़रूर शुरू होगी।'

उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की मूल कलाकार एआई मॉडल के अनुसार बदले जा सकते हैं।

निर्देशक ने अपनी दूसरी आगामी फिल्म 'मासूम 2' के बारे में भी जानकारी दी। यह 1983 में आयी उनकी ही फिल्म 'मासूम' का सीक्वल है। इसमें नसीरुद्दीन शाह और शबाना आज़मी की वापसी होगी, साथ ही मनोज बाजपेयी और कुछ नए चेहरे भी शामिल होंगे। कपूर ने बताया कि उन्होंने स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में दो साल लगाए हैं और फिल्म की शूटिंग दिसंबर या जनवरी में शुरू होने की संभावना है।

फिल्म निर्माण में एआई की भूमिका पर बोलते हुए शेखर कपूर ने कहा कि यह तकनीक अब हर क्षेत्र पर छा रही है। उन्होंने कहा 'अगर आपकी कहानी में अंदाजा लगाना मुमकिन हो तो एआई उसे आपसे बेहतर और जल्दी बना देगा। लेकिन बेहतरीन कहानियां और ऐसे किरदार जो नामुमकिन कर गुजरते हैं, ये वो चीज़ें हैं जो एआई नहीं कर सकता' ।

एचपीएनएलयू शिमला ने खेतान एंड कंपनी के प्रधान सहयोगी, श्री प्रीतिश मिश्रा द्वारा 'भारत में फिनटेक व्यवसाय का नियामक परिदृश्य' विषय पर एक विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया

शिमला । एचपीएनएलयू, शिमला के व्यावसायिक विधि एवं अर्थशास्त्र केंद्र (सीबीएलई) ने हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला की माननीय कुलपति, प्रो. (डॉ.) प्रीती सक्सेना के नेतृत्व में ÷भारत में फिनटेक व्यवसाय का नियामक परिदृश्य÷ विषय पर एक व्याख्यान-सह-संवादात्मक सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह सत्र भारत की अग्रणी विधि फर्मों में से एक, खेतान एंड कंपनी के प्रधान सहयोगी, श्री प्रीतिश मिश्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों की आकर्षक अंतर्दृष्टि और उत्साहपूर्ण भागीदारी का प्रमाण था। श्री मिश्रा ने भारत में विकसित हो रहे फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र पर अपने विशेषज्ञ दृष्टिकोण को साझा किया, और इस तेजी से बढ़ते क्षेत्र को आकार देने वाले महत्वपूर्ण नियामक, कानूनी और नीतिगत आयामों पर चर्चा की।

इस सत्र ने छात्रों को एक अनुभवी व्यवसायी के साथ बातचीत करने और कानून, प्रौद्योगिकी और वित्तीय नवाचार के बीच के अंतर्संबंध की व्यावहारिक समझ हासिल करने का एक अमूल्य मंच प्रदान किया। इसने इंटरैक्टिव और अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता और व्यावसायिक तत्परता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की निरंतर प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रो. (डॉ.) गिरजेश शुक्ला, निदेशक, सेंटर फॉर बिज़नेस लॉ एंड इकोनॉमिक्स, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा किया गया था।

एचपीएनएलयू शिमला के छात्रों ने सेंट बेड्स कॉलेज, शिमला द्वारा आयोजित 'सिम्फोरिया 2025' अंतर-महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

शिमला । हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला की माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रीती सक्सेना के नेतृत्व में एचपीएनएलयू, शिमला के छात्रों ने 7-8 नवंबर 2025 को सेंट बेडे कॉलेज, शिमला द्वारा आयोजित अंतर-कॉलेज सांस्कृतिक उत्सव 2025 ÷सिम्फोरिया÷ में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। विश्वविद्यालय के दल ने बैटल ऑफ बैंड्स में दूसरा स्थान, लघु फिल्म में दूसरा स्थान हासिल करके ख्याति प्राप्त की; प्रतिष्ठा श्रीवास्तव ने सभी भाग लेने वाले कॉलेजों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता; डेटा विज़ुअलाइज़ेशन में दूसरा स्थान, फोटोग्राफी में तीसरा स्थान और लोक-फ्यूजन समूह नृत्य में तीसरा स्थान हासिल किया। इस उत्सव में नृत्य, बैटल ऑफ़ बैंड्स, लाइव पेंटिंग, फ़ोटोग्राफ़ी, नुक्कड़ नाटक, लघु फ़िल्म स्क्रीनिंग, नवाचार और कार्यशील मॉडल, डेटा विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन, फ़ैशन शो और वाद-विवाद सहित कई जीवंत कार्यक्रम आयोजित किए गए। एचपीएनएलयू के छात्रों ने रचनात्मकता, बुद्धिमत्ता और सांस्कृतिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए कई प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने व्यक्तिगत प्रतिभा के साथ-साथ विश्वविद्यालय के नवाचार, सहयोग और समग्र विकास के सामूहिक लोकाचार को भी प्रतिबिंबित किया।

सफल भागीदारी और समन्वय, छात्र संवर्धन प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. सरिता और संकाय समन्वयक सुश्री अक्षिता धीमान की देखरेख में किया गया, जिसमें सावधानीपूर्वक योजना और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया। सिम्फ़ोरिया 2025 में एचपीएनएलयू के छात्रों की सराहनीय उपलब्धियाँ, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला की जीवंत सांस्कृतिक भावना को बनाए रखते हुए, प्रतिभा, रचनात्मकता और नेतृत्व को पोषित करने के प्रति विश्वविद्यालय के समर्पण की पुष्टि करती हैं।

तकनीकी शिक्षा विभाग में ऐतिहासिक उपलब्धि – तीनों याचिकाकर्ता उप-निदेशक (प्रशिक्षण) पद पर पदोन्नत

शिमला । हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में राज्य सरकार ने नागरिक रिट याचिका संख्या 6329 / 2025 – ललित कुमार एवं अन्य बनाम राज्य हिमाचल प्रदेश एवं अन्य में पारित निर्णय को लागू करते हुए तीनों याचिकाकर्ताओं – श्री ललित कुमार, श्री संजय सहोत्रा तथा श्री रविन्द्र सिंह – को उप-निदेशक (प्रशिक्षण) पद पर नियमित पदोन्नति प्रदान कर दी है। इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से प्रभावशाली पैरवी अधिवक्ता गणेश बरोवालिया द्वारा की गई थी। माननीय न्यायमूर्ति श्री संदीप शर्मा ने दिनांक 04 जून 2025 को राज्य को तीन माह के भीतर विभागीय पदोन्नति समिति (ष्ठक्क्ट) की बैठक बुलाने का निर्देश दिया था, और 06 अक्टूबर 2025 को कड़ा रुख अपनाते हुए सचिव (तकनीकी शिक्षा) की व्यक्तिगत हाजिरी का आदेश पारित किया था। इसके उपरांत विभाग ने वित्त विभाग की अनुमति एवं मंत्रिमंडल की स्वीकृति प्राप्त कर 03 नवम्बर 2025 को पदोन्नति अधिसूचना जारी की। यह निर्णय वर्षों से लंबित पदोन्नति की मांग को पूरा करते हुए याचिकाकर्ताओं के लिए न्यायिक जीत सिद्ध हुआ है। इस प्रकरण में अधिवक्ता गणेश बरोवालिया की सतत कानूनी प्रयास एवं प्रभावी दलीलों से न्यायालय का आदेश पूर्ण रूप से लागू हो सका।

1.36 करोड़ से बनेगा भरूपलाहड पंचायत भवन : केवल सिंह पठानिया

● बोले – आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण होगा यह पंचायत भवन

शाहपुर । शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने शनिवार को भरूपलाहड पंचायत भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। विधायक ने बताया कि भरूपलाहड पंचायत के लोगों को अब एक भव्य एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त पंचायत भवन मिलने जा रहा है, जिस पर 1 करोड़ 36 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी। इस भवन में सार्वजनिक पुस्तकालय, कॉमन हॉल तथा पंचायत के सभी कार्यालय शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि भवन के निर्माण से ग्रामीणों को प्रशासनिक कार्यों के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। साथ ही, पुस्तकालय सुविधा से क्षेत्र के युवाओं को अध्ययन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर प्राप्त होगा। इस अवसर पर चंगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने उपमुख्य सचेतक का शॉल व टोपी पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि, चंगर कांग्रेस कमेटी के सदस्य तथा सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खेल संस्कृति को बढ़ावा दे रही प्रदेश सरकार

युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक गतिविधियों में किया जा रहा संचारित

शिमला । युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक गतिविधियों की ओर संचारित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार खेल गतिविधियों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दे रही है। यह पहल न केवल राज्य में खेल संस्कृति को मजबूत कर रही है, बल्कि युवाओं को नशे से दूर रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आकर्षक प्रोत्साहन देने के साथ-साथ सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के खेल ढांचे के विकास पर भी कार्य किया है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराज्यीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

राज्य सरकार ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि 3 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये की गई है। रजत पदक विजेताओं को अब 2 करोड़ रुपये के बजाय 3 करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपये के बजाय 2 करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे।

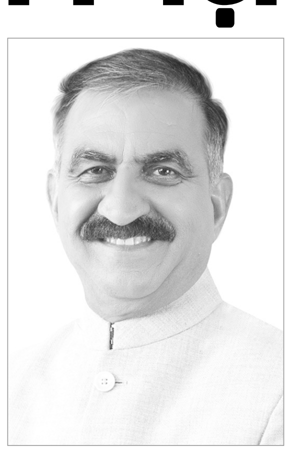

एशियाई खेलों और पैरा ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 करोड़ रुपये कर दी गई है। रजत पदक विजेताओं को अब 30 लाख रुपये के बजाय 2.50 करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को 20 लाख रुपये के बजाय 1.50 करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे। राष्ट्रमंडल और पैरा राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 50 लाख रुपये के बढ़ाकर 3 करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को 30 लाख रुपये के बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को 20 लाख रुपये के बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जा रही है।

पिछले वर्ष राज्य सरकार ने पैरालंपिक, एशियाई, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व कप में पदक जीतने या भाग लेने वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को कुल 17,44,28,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की। खिलाड़ियों को उचित व संतुलित पोषण सुनिश्चित करने के लिए आहार भत्ता भी बढ़ाया गया है। विद्यालयों में भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है ताकि छात्रों को अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिले। प्रदेश के बाहर प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अब 200 किलोमीटर तक की दूरी के लिए एसी थ्री-टियर रेल किराया और लंबी दूरी के लिए इकोनॉमी क्लास हवाई किराया प्रदान किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 में खेल मैदानों और अत्याधुनिक खेल अवसंरचना के निर्माण एवं रखरखाव के लिए लगभग 38 करोड़ आवंटित किए गए। यह राशि कुल 74 खेल परियोजनाओं पर खर्च की गई। शिमला जिले के रामपुर बुशहर के दत्तनगर में 9.45 करोड़ की लागत से एक खेल छात्रावास का निर्माण किया गया है, जिसमें 50 खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था है। सिरमौर जिले के माजरा में 7.28 करोड़ की लागत से एक हॉकी एस्ट्रोटर्फ विकसित किया गया है।

सरकार ने यह निर्णय लिया है कि राज्य और राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को उस अवधि के दौरान विशेष अवकाश दिया जाएगा। यह निर्णय छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देगा। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को रोजगार देने के लिए 3 प्रतिशत खेल कोटा निर्धारित किया गया है, जिसके तहत वर्ष 2024 से अब तक 99 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को रोजगार प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री युवा खेल प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक खेल मैदान का निर्माण करने का प्रस्ताव है। राज्य के प्रत्येक ब्लॉक में नोडल युवा क्लब स्थापित किए गए हैं। कुल 68 ब्लॉकों में प्रत्येक में एक-एक युवा स्वयंसेवक नियुक्त किया गया है और प्रत्येक जिला मुख्यालय पर भी एक स्वयंसेवक की नियुक्ति की गई है। पिछले वर्ष अखिल भारतीय डॉ.वाई.एस. परमार मेमारियल वॉलीबाल टूर्नामेंट कांगड़ा जिले के पंचरुखी क्षेत्र में आयोजित किया गया, जबकि वर्ष 2023 में यह टूर्नामेंट शिमला के शोघी में आयोजित किया गया था। प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में खेल संरचना के विकास के साथ-साथ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे बहुआयामी प्रयास निश्चित तौर पर प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने में दूरगामी भूमिका निभाएंगे।

दिल्ली में नवंबर में वायु गुणवत्ता 2024 की तुलना में बेहतर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी (डीपीसीसी) के अनुसार इस साल नवंबर में अधिकतर दिनों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में बेहतर रही। डीपीसीसी ने कहा कि राजधानी में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा किए गए समन्वित प्रयासों के स्पष्ट परिणाम दिखने लगे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली अब तक प्रदूषण के उस स्तर तक पहुंचने से बची हुई है जिसके कारण 2023 में लगभग इसी समय ग्रैप के तीसरे चरण को लागू करना पड़ा था। डीपीसीसी के एक अधिकारी ने शनिवार को प्रेस वार्ता के दौरान कहा, ''पिछले सात दिन में से छह दिन में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में बेहतर वायु गुणवत्ता दर्ज की गई है। यह सभी विभागों द्वारा समय पर और समन्वित कार्रवाई के कारण संभव हुआ है।'' डीपीसीसी अध्यक्ष संदीप कुमार और सदस्य सचिव संदीप मिश्रा की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में इस बात को रेखांकित किया गया कि पिछले सात दिन में से छह दिन दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 2024 में इसी अवधि में दर्ज संख्या से कम रहा। प्रेस वार्ता के दौरान साझा किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 1 नवंबर को एक्यूआई 303 (2024 में 339), 3 नवंबर को 309 (2024 में 382), 4 नवंबर को 291 (2024 में 381), 5 नवंबर को 202 (2024 में 373), 6 नवंबर को 311 (2024 में 352) और 7 नवंबर को 322 (2024 में 377) था। आंकड़ों में हेराफेरी की चिंताओं का समाधान करते हुए, अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि वायु गुणवत्ता निगरानी पारदर्शी और सार्वजनिक रूप से सुलभ बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि सभी कार्रवाई आंकड़ों पर आधारित होती हैं और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से समीक्षा की जाती है। उन्होंने राजधानी की वायु गुणवत्ता और चल रहे प्रयासों की भी समीक्षा की और यह पाया कि इस नवंबर में वायु प्रदूषण का स्तर पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में तुलनात्मक रूप से बेहतर रहा है।

पिछले साल 13 नवंबर से लागू किए गए थे ग्रैप-3 के प्रतिबंध: अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल 13 नवंबर से ग्रैप-3 के प्रतिबंध लागू किए गए थे, जबकि उसके विपरीत इस साल प्रदूषण नियंत्रण कार्रवाई सक्रियता से शुरू हो गई है।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला ने आज ऊना जिले के हरोली में उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के घर पर आयोजित आशीर्वाद उत्सव में डॉ. आस्था अग्निहोत्री एवं सचिन शर्मा को आशीर्वाद दिया।

उत्तराखंड के 25वें स्थापना दिवस पर मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेसी नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के 25वें स्थापना दिवस के मौके पर रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य का हर व्यक्ति देश के विकास में अपना निरंतर योगदान देता रहे। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 卐प्राकृतिक संपदा और अद्भुत नैसर्गिक सौंदर्य से संपन्न उत्तराखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई। हिमालय की गोद में बसी देवभूमि उत्तराखंड अपनी संस्कृति, परंपरा और सौंदर्य से भारत की पहचान को और भी समृद्ध बनाता है। हमारी कामना है कि उत्तराखंड का हर नागरिक समृद्धि, शांति और प्रगति के मार्ग पर अग्रसर रहे और देश के विकास में अपना निरंतर योगदान देता रहे।卐 कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, 卐देवभूमि उत्तराखंड वासियों को उत्तराखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। कांग्रेस परिवार ईश्वर से सभी प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए प्रार्थना करता है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने एक्स पोस्ट में लिखा, 卐हम समस्त उत्तराखंड वासियों के जीवन में एक अत्यधिक महत्वपूर्ण दिन है, जब हम राज्य के रूप में अस्तित्व में आए।

प्रदेश सरकार ग्राम स्तर तक विकसित कर रही है बेहतर खेल अधोसंरचना : संजय अवस्थी

● तम्बाकू मुक्त युवा अभियान के तहत सभी खिलाड़ियों को दिलाई नशे से दूर रहने की शपथ

सोलन। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए ग्राम स्तर तक बेहतर खेल अधोसंरचना सृजित कर रही है ताकि ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा तराशने का अवसर मिल सके। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोटली स्थित अर्जुन खेल मैदान कोटली में आयोजित तृतीय श्री धर्म पाल ठाकुर मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

श्री धर्म पाल ठाकुर मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता में अर्की विधानसभा क्षेत्र की 45 टीमों ने भाग लिया। संजय अवस्थी ने कहा कि हिमाचल में हर क्षेत्र में अनेक युवा प्रतिभाएं हैं। इन प्रतिभाओं को सही समय पर सही अवसर प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न खेलों में हिमाचल के खिलाड़ियों ने राष्ट तथा अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। हाल ही में सम्पन्न महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में हिमाचल की खिलाड़ी रेणुका ठाकुर ने सर्वोच्च स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अन्य खेलों में भी हिमाचल के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करने के लिए समय-समय पर ऐसे आयोजन करवाना आवश्यक है। वर्तमान समय में नशा समाज के लिए एक चुनौती बना हुआ है। युवाओं को नशे से दूर रखने और उनकी शारीरिक क्षमताओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करने में खेल एक आवश्यक माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की खेलों की ओर रूचि और उनकी हिस्सदारी बढ़ाने के लिए प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। विधायक ने कहा कि एक अच्छा खिलाड़ी बनने के लिए खेल की बारिकियां समझना आवश्यक है और इन्हें समझने के लिए कोच का होना अहम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार क्षेत्र में एक क्रिकेट अकादमी खोलने पर भी विचार कर रही है।

विधायक ने कहा कि दाड़लाघाट में एक बेहतर खेल स्टेडियम बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। संजय अवस्थी ने कहा कि अर्की विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनका लक्ष्य है। विधानसभा क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के दृष्टिगत जहां नागरिक अस्पताल अर्की में 07 विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात किए गए हैं वहीं शीघ्र ही यहां अल्ट्रा साउंड मशीन भी स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल में डायलिसिस केन्द्र स्थापित करने की भी स्वीकृति मिल गई है, जिसका कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा।

विधायक ने विजेता टीम दधोगी इलेवन को 51 हज़ार रुपए और ट्राफी व उपविजेता टीम सौरव इलेवन घनागुघाट को 31 हज़ार रुपए और ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया और खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने शालाघाट में औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत दो शौचालयों के निर्माण कार्य के लिए धनराशि उपलब्ध करवाने की घोषणा की। उन्होंने आयोजन समिति को अपनी ऐच्छिक निधि से 21 हजार रुपए देने की घोषणा भी की। उन्होंने शैड निर्माण कार्य के लिए 02 लाख रुपए देने तथा 05 सोलर लाइट देने की घोषणा की। उन्होंने क्षेत्र में क्रिकेट पिच निर्माण के लिए 50 हजार रुपए देने की घोषणा भी की।

संजय अवस्थी ने इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संचालित तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के तहत सभी खिलाड़ियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई।विधायक ने इस अवसर पर जन समस्याएं सुनी और इनके निपटारे के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर धर्मपाल ठाकुर मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता की आयोजक समिति के अध्यक्ष संजय ठाकुर ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और प्रतियोगिता की गतिविधियों से अवगत करवाया। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश कश्यप, राजेन्द्र रावत, भीम सिंह, नगर पंचायत अर्की की पूर्व अध्यक्ष सीमा शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक दाड़लाघाट संदीप शर्मा, तहसीलदार अर्की विपिन वर्मा, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी अन्य गणमान्य व्यक्ति व बड़ी संख्या में दर्शक इस अवसर पर उपस्थित थे।

एमसीडी ने मिनी फूड वैन पॉलिसी में किया बदलाव, मॉडिफाइड ई-रिक्शा कार्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के गली-मोहल्लों मे जल्द ही एक समान आकार वाली मिनी फूड वैन घूमती नजर आएंगी। दिल्ली नगर निगम अपनी फूड वैन पॉलिसी को फिर से शुरू करने जा रहा है। इस पॉलिसी के तहत ई-रिक्शा को मॉडिफाई कर एक ही साइज की मिनी फूड वैन चलाई जाएंगी। इन ई-कार्ट्स को सिर्फ पैकेट वाला और पहले से पके हुए खाने का सामान बेचने की इजाजत होगी। साथ ही खाना गर्म करने का भी इंतजाम होगा। फिलहाल एमसीडी का हर वार्ड में पांच वैन को इजाजत का प्लान है और हर वैन को एक जगह पर 30 मिनट से अधिक रुकने की इजाजत नहीं होगी।

एमसीडी के एक अधिकारी ने कहा कि ये मिनी फूड वैन बाजार के इलाकों या मेन सड़कों पर भीड़भाड़ नहीं करेंगी क्योंकि इनकी एंट्री नॉन-कॉमर्शियल और रिहायशी गलियों तक ही सीमित होगी। इसका मकसद यह है कि कॉमर्शियल मार्केटों में अफरा-तफरी बढ़ाए बिना हाइजीनिक खाना, फल और सब्जियां आसानी से मिल सकें। एमसीडी इन फूड वैन के लिए ऑपरेशनल जोन तय करेगी ताकि भीड़भाड़ या डुप्लीकेशन से बचा जा सके। इनके ऑपरेटर उसी वार्ड या एमसीडी जोन के रहने वाले होने चाहिए जहां वे काम करना चाहते हैं।

आवश्यक सूचना

ब्पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109 (हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

हिन्द जनपथ
पंचकूला
सोमवार, 10 नवंबर, 2025

न्यूज डायरी

नौवें पातशाह जी का 350वां शहीदी दिवस: चरण-स्पर्श प्राप्त गुरुद्वारों में कीर्तन दरबार और धार्मिक समागम संगत को अध्यात्मिक रंग में रंग रहे

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हिंद की चादर श्री गुरु तेग़ बहादुर जी की अद्वितीय शहादत को नमन करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा नौवें पातशाह जी के चरण-स्पर्श प्राप्त ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिबानों में चल रहे कीर्तन दरबारों और धार्मिक समागमों में भारी संख्या में संगत श्रद्धा से सहभागी हो रही हैं। 1 नवंबर से प्रारंभ होकर 25 नवंबर तक लगभग एक माह चलने वाले इन धार्मिक समागमों का उद्देश्य गुरु साहिब के आत्मबलिदान, अमन-शांति और सार्वभौमिक भाईचारे के संदेश का अधिक से अधिक प्रसार करना है।

यहां सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित इन स्मृति समारोहों की श्रृंखला अब अपने मध्य चरण में प्रवेश कर चुकी है और विभिन्न ज़िलों में आयोजित इन धार्मिक समारोहों में श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि 10 नवंबर को गुरुद्वारा साहिब सील और गुरुद्वारा साहिब लंग (ज़िला पटियाला) तथा गुरुद्वारा पातशाही नववीं, जखवाली (फ़तेहगढ़ साहिब) में कीर्तन समागम आयोजित किए जायेंगे। अगले दिन 11 नवंबर को गुरुद्वारा श्री नववीं पातशाही, कलौड़ (फ़तेहगढ़ साहिब), गुरुद्वारा साहिब हरपालपुर और गुरुद्वारा साहिब अगौल (ज़िला पटियाला) में होने वाले धार्मिक समागमों में भारी संख्या में संगत शामिल होगी।

उन्होंने आगे बताया कि 12 नवंबर को गुरुद्वारा साहिब काले के (श्री अमृतसर साहिब), गुरुद्वारा मगर साहिब (पटियाला) और गुरुद्वारा श्री गुरु तेग़ बहादुर जी, बस्सी पठाना (फ़तेहगढ़ साहिब) में स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे, जो संगत को आध्यात्मिक रूप से निहाल करेंगे। इसी दिन गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब नववीं पातशाही, मूलोवाल (संगरूर) और भाई महां सिंह दीवान हाल, श्री मुक्तसर साहिब में भी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

प्रवक्ता ने कहा कि इन पावन स्थलों पर गुरबाणी कीर्तन, अरदास और कथा-विचार कार्यक्रम संगत को धर्म और मानवीय मूल्यों की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले नौवें पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर जी की शाश्वत शिक्षाओं और दर्शन से ओतप्रोत करेंगे।

चुनाव आयोग द्वारा तरनतारन उपचुनाव के लिए पुख्ता सुरक्षा प्रबंध : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा क्षेत्र तरनतारन में 11 नवंबर को उपचुनाव के लिए मतदान होना है। इस संदर्भ में भारतीय चुनाव आयोग ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे इस जिले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए जिला चुनाव मशीनरी के माध्यम से पुख्ता सुरक्षा प्रबंध किए हैं। आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों के साथ विचार-विमर्श के बाद संपूर्ण चुनाव योजना को अंतिम रूप दिया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 12 कंपनियाँ तैनात की गई हैं, जो किसी भी उपचुनाव में चुनाव आयोग द्वारा अब तक की सबसे बड़ी तैनाती में से एक है।

उन्होंने कहा कि तैनाती योजना के अनुसार कुल 222 मतदान केंद्रों को कवर करते हुए, सभी 114 मतदान केंद्र स्थलों पर केंद्रीय बलों के जवान तैनात रहेंगे। केंद्रीय बलों के साथ-साथ सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, जिनकी निगरानी रिटर्निंग अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर चुनाव आयोग की देखरेख में की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी संवेदनशील मतदान केंद्र स्थलों की निगरानी के लिए 46 माइक्रो ऑब्जर्वर भी नियुक्त किए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी 222 मतदान केंद्रों पर आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध करा दी गई हैं और आश्वासन दिया कि चुनाव मशीनरी कानून एवं व्यवस्था की किसी भी उल्लंघना से सख़्ती से निपटेगी।

उन्होंने तरनतारन विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील की कि वे 11 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक निडर होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

कवयित्री एवं गायिका रूप कौर कूनर का पहला शो एच ए पी और आर्यन्स द्वारा मोहाली में आयोजित

पंजाब के जनसंपर्क निदेशक, विमल के. सेतिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की

हिन्द जनपथ
साहिबजादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। आर्यन्स ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, राजपुरा (चंडीगढ़ के पास) के सहयोग से एच ए पी मीडिया द्वारा आज होमलैंड ओपेरा, सीपी-67, मोहाली में 'दौर-ए-ज़िंदगी' नामक संगीत और कविता की एक मनमोहक शाम का आयोजन किया गया।

पंजाब के सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक, श्री विमल के. सेतिया (आई ए एस) ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि आर्यन्स ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के अध्यक्ष डॉ. अंशु कटारिया ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। लोकप्रिय पंजाबी गायक परम ने भी अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई और शाम को संगीतमय आकर्षण से भर दिया।

यह कार्यक्रम एच ए पी मीडिया और आर्यन्स ग्रुप द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रसिद्ध कलाकार रूप कौर कूनर के पहले लाइव शो का प्रतीक था।

रूप कौर कूनर ने अपनी भावपूर्ण कविताओं और मधुर प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और लय, भावना और कविता को एक अविस्मरणीय अनुभव में पिरो दिया।

इस कार्यक्रम की मेज़बानी माय एफ एम के आर जे जस्सी और आर जे गोलमाल गगन ने की, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शकों को बांधे रखा और उनका मनोरंजन किया।

नूंह पुलिस ने टॉप 10 मोस्टवांटेड लिस्ट में शामिल आरोपियों सहित 6 पकड़े

नूंहः हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन ट्रैक डाउन' के तहत नूंह पुलिस ने फरार अपराधियों की धरपकड़ तेज कर दी है। इस अभियान में अब तक चार अलग-अलग गंभीर मामलों में कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये कार्रवाई 20 नवंबर तक जारी रहेगी, जिसकी पूरी रूपरेखा जिला पुलिस ने तैयार कर ली है।

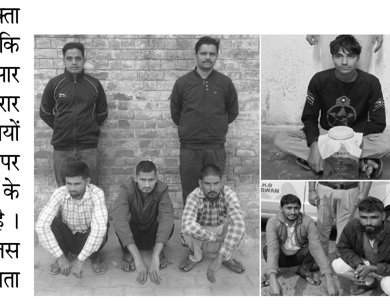

जिला पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने बताया कि डीजीपी के आदेशानुसार गंभीर धाराओं के तहत फरार और आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय अपराधियों पर 'ऑपरेशन ट्रैक डाउन' के तहत नजर रखी जा रही है । इसी कड़ी में जिला पुलिस की विभिन्न टीमों ने सफलता हासिल की है।

गिरफ्तार आरोपियों में टॉप 10 मोस्टवांटेड लिस्ट के नाम भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नियाजम उर्फ नियाजू पुत्र यूनुस निवासी खानपुर घाटी थाना नगीना को नूंह शहर थाना में धारा 115, 191(3), 287, 62, 118(1), 351(2), 140(3), 190, 351(3) बीएनएस एवं 25-54-59 आर्म्स एक्ट, के तहत दर्ज केस में नूंह सीआईए ने गिरफ्तार किया है।

इसके अतिरिक्त जाहिद पुत्र आश मोहम्मद व साहिद पुत्र सोहराब निवासी डुंगेजा, थाना पिनगवां की वर्ष 2022 मे हत्या के प्रयास की धाराओं में पिनगवां थाना में दर्ज केस में सीएस एवं पीओ स्टाफ पुन्हाना द्वारा गिरफ्तारी की गई है, जबकि जाकिर पुत्र रमजान व फारूख पुत्र हमीद निवासी थाना आकेड़ा गो-तस्करी के पिनगवां थाना में दर्ज केस में सीआईए नूंह टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया है तथा एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

अभियान के तहत नूंह पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय हैं और फरार अपराधियों की तलाश जारी है । यह कार्रवाई अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

द्वितीय नेशनल कल्चरल पिथियन गेम्स में पंजाब ने जीता ओवरऑल चैम्पियनशिप खिताब, हरियाणा रहा उपविजेता

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। उत्कृष्ट कौशल, सटीकता और मार्शल जज़्बे का प्रदर्शन करते हुए पंजाब ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की औरकर्नाटक के बेंगलुरु सिटी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दूसरे नेशनल कल्चरल पिथियन गेम्स–2025 में ओवरऑल गतका चैम्पियनशिप अपनेनाम की। हरियाणा ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर भारत की पारंपरिक मार्शल कला गतका प्रतियोगिता खेलों का मुख्यआकर्षण रही।

दो दिनों तक चले रोमांचक और तीव्र मुकाबलों में पंजाब के लड़के और हरियाणा की लड़कियों ने अपनी अटूट एकाग्रता और उत्कृष्टतकनीकी कौशल का परिचय देते हुए अपनी-अपनी श्रेणियों में शीर्ष स्थान हासिल किया। हरियाणा के लड़के और पंजाब की लड़कियों उपविजेतारहीं, जबकि उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने लड़कों के वर्ग में तीसरा स्थान साझा किया तथा चंडीगढ़ और आंध्र प्रदेश की टीमों ने लड़कियोंके वर्ग में संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

गतका प्रतियोगिता का उद्घाटन मॉडर्न पिथियन कल्चरल गेम्स के संस्थापक एवं पिथियन काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन बिजेंद्र गोयल नेपारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच किया। बाद में द्वितीय नेशनल कल्चरल पिथियन गेम्स की आयोजन कमेटी के चेयरमैन बी. एच. अनिलकुमार, आईएएस, ने सेमीफाइनल मुकाबलों का उद्घाटन किया।

समापन दिवस पर हुए गतका फाइनल मुकाबलों का उद्घाटन राष्ट्रीय गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एडवोकेट हरजीत सिंहग्रेवाल ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों की उत्कृष्ट खेल भावना और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रदर्शन ने भारत की प्राचीन मार्शलपरंपरा की जीवंत विरासत को प्रदर्शित किया है, जहाँ साहस और सौम्यता का संगम दिखाई देता है। इस समारोह में सुखचैन सिंह कलसानी, जसप्रीतसिंह सैनी, आरती दिवान, श्रीजिथ सुरेन्द्र, प्रशिक्षक वेणुगोपाल वेलोली (बेंगलुरु) तथा वरिष्ठ गतका कोच जगदीश सिंह, रेफरी हरनाम सिंह, हरसिमरनसिंह, अमृतपाल सिंह, जशनप्रीत सिंह, शैरी सिंह, नरिंदरपाल सिंह और अमन सिंह छत्तीसगढ़ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

"फर्जी वोट कांग्रेस की संस्कृति है, भाजपा की नहीं" - ऊर्जा मंत्री अनिल विज

कांग्रेस झूठ और भ्रम की राजनीति करती है, जनता अब गुमराह नहीं होगी- अनिल विज

खड़गे ने खुद माना कि बिहार में जंगलराज था, अब तेजस्वी को पिता की सेवा करनी चाहिए- विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर लगाए गए आरोपों को निराधार, भ्रामक और भड़काऊ बताते हुए कहा कि कांग्रेस का काम ही झूठ फैलाना और भ्रम पैदा करना है, जबकि भाजपा जनता के विश्वास पर खरा उतरने वाली पार्टी है।

श्री विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

"फर्जी वोट कांग्रेस की संस्कृति है, भाजपा की नहीं" - विज

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अनिल विज ने कहा कि "यह कांग्रेस की संस्कृति है, भाजपा की नहीं। फर्जी वोट कांग्रेस वाले बनाते हैं, और हमने उन्हें कई बार पकड़ा है। राहुल गांधी आधी बात करते हैं और पूरी बात बताएं कि वोट किसे पड़े हैं, और इससे किसे फायदा हुआ है।" उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अंबाला के साहा क्षेत्र में 223 फर्जी वोट पाए गए थे, जहां कांग्रेस का विधायक और सांसद दोनों जीते हैं। विज ने कहा कि "इससे साफ है कि कांग्रेस फर्जीवाड़े से चुनावी लाभ उठाने की कोशिश करती है,"

"खड़गे ने खुद स्वीकार किया कि बिहार में पहले जंगलराज था" - विज

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बिहार में एनडीए सरकार पर लगाए आरोपों का जवाब देते हुए विज ने कहा कि "जब हम कपड़ा खरीदते हैं तो कंपनी की पुरानी हालत देखते हैं। खड़गे जी ने खुद मान लिया कि 20 साल पहले बिहार में जंगलराज और कट्टा राज था। अब जब लालू प्रसाद यादव के पुत्र तेजस्वी यादव चुनाव हार चुके हैं, तो उन्हें अपने पिता की सेवा करनी चाहिए, जिनकी तबीयत ठीक नहीं है।"

"प्रधानमंत्री ने जो कहा, वह इतिहास का उल्लेख है" - विज

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी को लेकर अनिल विज ने कहा कि "प्रधानमंत्री ने जो कहा, वह इतिहास का उल्लेख था। उन्होंने 'कट्टों' और 'ब्रह्मोस' दोनों शब्दों का प्रयोग देश की ताकत और तुलना के संदर्भ में किया है। उन्होंने कहा कि जो इतिहास में दर्ज है उसका जिक्र किया जाएगा क्योंकि यह कट्टों से राज चलाते थे।"

"चुनाव आयोग पर टिप्पणी बेमतलब है" - विज

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भाजपा का 'पन्ना प्रमुख' बताने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विज ने कहा कि "यह पूरी तरह बेमतलब बात है। चुनाव आयोग का काम वोट बनाना और वोटर लिस्ट जारी करना है।

उत्तराखण्ड स्थापना दिवस पर भाजपा उत्तराखण्ड प्रकोष्ठ चंडीगढ़ द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी, चंडीगढ़ के उत्तराखण्ड प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भूपेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा कार्यालय कमलम, सेक्टर 33 चंडीगढ़ में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उत्तराखण्ड की गौरवशाली संस्कृति, लोक परंपराओं और राज्य निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा को याद करना तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। इसके उपरांत कलाकारों द्वारा लोक गीतों और लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली।

लोक कलाकारों ने "पहाड़ा की नारी", "नारंगी की ढाणी", 'दैणा होया खोली का गणेशा हे', 'बारा एनी बग्वाल माधो सिंघा' जैसे प्रसिद्ध लोक गीत प्रस्तुत किए, जबकि मनमोहक उत्तराखंड के नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन प्रस्तुतियों में उत्तराखंड की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर उत्तराखंड प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भूपिंदर शर्मा ने राज्य सभा सदस्य सतनाम सिंह सिधु, भाजपा, चंडीगढ़ प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र मल्होत्रा, हिमाचल प्रदेश के सह प्रभारी संजय टंडन, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण सूद , शक्ति देवशाली, रामवीर भट्टी, हीरा नेगी, रवि रावत, सुनीता भट्ट, गणमान्य सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। जबकि बुद्धि चंद, आनंद प्रसाद शर्मा, चंडी प्रसाद ममगई, प्रकाश चंद बलूनी, बर्फ सिंह पंवार, वीरपाल सिंह नेगी, प्रशांत शर्मा, हरीश पोखरियाल, लक्ष्मी प्रसाद नौटियाल, विक्रम बिष्ट, ज्वाला भंडारी इस मौके पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भूपेन्द्र शर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तराखण्ड की संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी के सामने लाना तथा प्रवासी उत्तराखण्डवासियों को अपनी जड़ों से जोड़े रखना था। हमारी कोशिश है कि उत्तराखण्ड की गौरवशाली विरासत आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाई जा सके।

सार्वजनिक परिवहन के प्रयोग से ही दुर्घटना एवं प्रदूषण दोनों को रोका जा सकता है -हैरतजीत कौर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ऊर्जा संस्कृति समिति की पहल पर परिवहन विभाग के सहयोग से आज बढ़ती आबादी-सड़क सुरक्षा, चुनौती और समाधान विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला एवं विमर्श का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती हैरतजीत कौर, भारतीय वन सेवा जिला परिवहन अधिकारी पंचकूला ने कहा कि बढ़ती आबादी समकालीन दौर की सबसे बड़ी चुनौती हैं। बढ़ती हुई आबादी के समय में सार्वजनिक परिवहन के प्रयोग से ही दुर्घटना एवं प्रदूषण दोनों को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज पुस्तक मेंले के मंच पर सड़क सुरक्षा के कई स्वरूपों को आत्मसात करने की कोशिश की गयी है। पुस्तक मेंले में 1 लाख से अधिक शिर्षक की किताबें, 25 चित्रकारों का कला शिविर, प्रतिदिन सैकड़ों युवाओं शिक्षकों की हिस्सेदारी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, वाद विवाद संवाद कार्यशाला का विषय संड़क सुरक्षा के माध्यम से समाज के सभी वर्गो को सही दिशा में ले जाने का व्यापक मंच है।

कर्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री पी के दास ने कहा कि हमने पंचकूला पुस्तक मेंले में हिन्दुस्तानी भाषाओं की किताबों को प्राथमिकता दी है। हिन्दी, पंजाबी, उर्दू, संस्कृत भाषा के साथ अंग्रेजी किताबों को युवाओं के साहित्यिक एवं मानसिक विकास के लिए प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक दिन लेखक पाठक संवाद में नागरिक हिस्सेदारी हरियाणा की सृजनधर्मिता को नया क्षितीज प्रदान कर रही है।

कार्यक्रम में दिल्ली से आयी प्रख्यात साहित्यकार श्रीमती गीता श्री ने कहा कि समकालीन साहित्य का दायित्व है कि अपनी रचनाधर्मिता में अपने समय के प्रश्नों का समाधान कर नयी पीढ़ी को प्रेरित करें। रचना की कसौटी कोरा विज्ञापन नहीं होता।

प्रख्यात रचनाकार प्रत्यक्षा, दिल्ली ने कहा कि हमने जलवायु परिवर्तन के खतरों और चुनौतियों को महसूस करते हुए हमने साहित्य में दर्जनों कहानियां लिखी हैं हमारे पाठक वर्ग ने हमें परिवक्व रचना रचने का राह दिखाया। रचना ही वास्तविक संवाद का माध्यम है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रचना निमंत्रण या फेलोशिप पर नहीं लिखी जाती वह अन्तर्मन से फूटती है।

महिला अधिकारी की एआई से आपत्तिजनक फोटो बनाने का आरोप, केस दर्ज कर पुलिस ने शुरू की जांच

शिमला– राजधानी शिमला की एक महिला प्रशासनिक अधिकारी के सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक पर कई फर्जी अकाउंट बनाने का मामला सामने आया है।

पुलिस ने महिला अधिकारी की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। महिला पुलिस थाना की प्रभारी इस मामले की जांच कर रही हैं। पुलिस को दी शिकायत में महिला अधिकारी ने बताया कि फेसबुक पर उनका नाम और फोटो इस्तेमाल करके कई फर्जी अकाउंट बनाए गए हैं।

उन्होंने शिकायत में बताया कि हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर इसी तरह के अकाउंट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उनकी बनाई गई आपत्तिजनक फोटोग्राफ देखी है। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज करवाई। महिला थाना बीसीएस ने बीएनएस की धारा 79,79 और आईटी एक्ट की धारा 67(ए) के तहत केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। खनीय है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग करके लोगों के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बनाने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस: 11 नवंबर को अमृतसर, फिरोज़पुर, साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर और संगरूर में होंगे लाइट एंड साउंड शो: तरुनप्रीत सिंह सौंद

- **इससे पहले 8 ज़िलों में हुए शो रहे सफल, संगतों ने सरकार के प्रयासों की की सराहना**
- **14, 17 और 20 नवंबर को शेष ज़िलों में होंगे लाइट एंड साउंड शो**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित विभिन्न आयोजनों के अंतर्गत, अगले चरण के लाइट एंड साउंड शो 11 नवंबर को अमृतसर, फिरोज़पुर, साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) और संगरूर में आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 14, 17 और 20 नवंबर को भी राज्य के अन्य ज़िलों में ये शो होंगे।

उन्होंने बताया कि 11 नवंबर को अमृतसर के मेला ग्राउंड, रणजीत एवेन्यू में लाइट एंड साउंड शो का आयोजन होगा, जिसमें लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. उपस्थित रहेंगे। फिरोज़पुर के कैंटोनमेंट स्टेडियम में समाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर भाग लेंगी। साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) के सरस मेला ग्राउंड में शिक्षा, सूचना और लोक संपर्क मंत्री हरजोत सिंह बैंस तथा सांसद मालविंदर सिंह कंग शामिल होंगे।

संगरूर के रणबीर कॉलेज में वित्त, योजना, आबकारी और कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा, रोज़गार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण मंत्री अमन अरोड़ा, जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल और सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर शामिल होंगे।

14 नवंबर को पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में होने वाले लाइट एंड साउंड शो में तरुनप्रीत सिंह सौंद, बिजली, उद्योग और वाणिज्य मंत्री संजीव अरोड़ा तथा आवास निर्माण और शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां शामिल होंगे।

कपूरथला के गुरु नानक स्टेडियम में रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत भाग लेंगे, जबकि श्री मुक्तसर साहिब के गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां उपस्थित रहेंगे। बरनाला के बाबा काला मेहर स्टेडियम में एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा, अमन अरोड़ा और सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर शामिल होंगे।

17 नवंबर को तरणतारन के पुलिस स्टेडियम में आयोजित शो में जेल एवं परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर उपस्थित रहेंगे। मोगा की नई अनाज मंडी में पंजाब विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवां शामिल होंगे।

शहीद भगत सिंह नगर के आई.टी.आई. ग्राउंड में हरपाल सिंह चीमा और सांसद मालविंदर सिंह कंग, जबकि बठिंडा के शहीद भगत सिंह स्टेडियम में गुरमीत सिंह खुड्डियां और गुरमीत सिंह मीत हेयर शामिल होंगे।

20 नवंबर को मालेरकोटला के सरकारी कॉलेज में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह और हरदीप सिंह मुंडियां उपस्थित रहेंगे। श्री आनंदपुर साहिब के चरण गंगा स्टेडियम में हरजोत सिंह बैंस और मालविंदर सिंह कंग, जबकि मानसा के नेहरू मेमोरियल कॉलेज में हरपाल सिंह चीमा और बरिंदर कुमार गोयल भाग लेंगे।

मंत्री सौंद ने कहा कि इन लाइट एंड साउंड शो का उद्देश्य गुरु तेग बहादुर जी के संपूर्ण जीवन, उनके दर्शन और धर्म रक्षा हेतु दी गई महान शहादत को जन-जन तक पहुँचाना है, ताकि नई पीढ़ी इस महान इतिहास से परिचित हो सके।

उन्होंने बताया कि इससे पहले 8 जिलों जालंधर, फतेहगढ़ साहिब, पटियाला, पठानकोट, गुरदासपुर, फरीदकोट, फाज़िल्का और होशियारपुर में आयोजित लाइट एंड साउंड शो के दौरान प्रस्तुत किए गए ऐतिहासिक प्रसंगों ने संगतों को भावविभोर कर दिया, और सभी ने सरकार के इस प्रयास की भरपूर सराहना की।

संपादकीय

मतदान का बढ़ता प्रतिशत

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मतदाताओं ने कथित तौर पर जबरदस्त जोश दिखाते हुए 60.13 प्रतिशत मतदान किया। दावा किया जा रहा है कि मतदान में जनता की भागीदारी अधिक होने का मतलब यह है कि लोकतंत्र जीवंत है। इसका अर्थ यह भी है कि लोग राजनीति से उदासीन नहीं हैं। डेमोक्रेसी में ऐसा ही होना भी चाहिए।

पहले बात करते हैं वोटिंग की। पहले चरण में 121 सीटों के लिए वोटिंग हुई है। महागठबंधन के सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा, सम्राट चौधरी समेत कई बड़े नामों की किस्मत दांव पर लगी है इस चरण में। गुरुवार की वोटिंग अभिनेता से नेता बनने का सपना देख रहे खेसारी लाल यादव और मैथिली ठाकुर जैसे उम्मीदवारों की जीत-हार तय करेगी, तो यह लड़ाई अनंत सिंह जैसे बाहुबलियों की भी है।

इस चुनाव में एक नई बात यह है कि बिहार में दो दशकों से सत्तासीन नीतीश कुमार या उनकी जगह कोई और, यह सवाल इतनी मजबूती के साथ कभी नहीं पूछा गया, जितना इस बार उठ रहा है या उठाया जा रहा है। जनता जो निर्णय लेगी, वह राज्य की सामाजिक-राजनीतिक दिशा तय करेगा। इसे सकारात्मक ही माना जा रहा है कि बिहार के लोगों ने इस बात को समझा और 2020 की तुलना में 8.3 प्रतिशत ज्यादा वोटिंग की। सामान्य तौर पर ज्यादा मतदान को बदलाव का संकेत माना जाता है। यह बात और है कि मतदान के बढ़े प्रतिशत के साथ ही बिहार में विपक्ष की तरफ से आरोपों की झड़ी लगा दी गई। कई खबरें भी मतदान के दौरान जिस तरह की आईं, या अभी तक आ रही हैं, उन्हे देखते हुए इस आंकड़े से एकदम से किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। यहां कई फैक्टर हैं। हां, इतना जरूर है कि पिछला विधानसभा चुनाव कोविड की छाया के बीच हुआ था, तो वोटिंग पर उसका असर पड़ा हो सकता है। लेकिन, इस बार भी एसआईआर में पक्षपात और वोट चोरी जैसे विवाद थे।

आज, वैश्विक स्तर पर कई देशों में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं, जिनका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं। आज विश्व के सबसे अधिक विकसित देश अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण की राशि का असहनीय स्तर पर पहुंच जाना, विदेशी व्यापार में लगातार बढ़ता घाटा, नागरिकों के बीच आय की असमानता का लगातार बढ़ते जाना (अमीर नागरिक और अधिक अमीर हो रहे हैं एवं गरीब नागरिक और अधिक गरीब हो रहे हैं), बजट में वित्तीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना एवं इन आर्थिक समस्याओं के चलते देश में सामाजिक ताने बाने का छिन्न भिन्न होना, जैसे, जेलों की पूरी क्षमता का उपयोग और इन जेलों में कैदियों के रखने लायक जगह की कमी होना, तलाक की दर में बेतहाशा वृद्धि होना, मकान की अनुपलब्धि के चलते बुज़ुर्गों का खुले में पार्कों में रहने को मजबूर होना, आदि ऐसी कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं।

पूरे विश्व में भारतीय आर्थिक दर्शन को लागू करने का समय अब आ गया है

प्रहलाद सबनानी

उक्त समस्याओं के चलते ही अब अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा खुले रूप से कहा जाने लगा है कि साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के असफल होने के उपरांत अब पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के भी असफल होने का खतरा मंडराने लगा है, और यह अब कुछ वर्षों की ही बात शेष है। उक्त समस्याओं के हल हेतु अब पूरा विश्व ही भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहा है और तीसरे आर्थिक मॉडल की तलाश कर रहा है। भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगढ़ी द्वारा रचित पुस्तक थर्ड वे आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इस प्रकार भारतीय आर्थिक दर्शन की जड़ें सनातन हिंदू संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। भारतीय आर्थिक दर्शन की नीतियों का अनुपालन करते हुए ही प्राचीन काल में भारत में विभिन्न राजाओं द्वारा अपने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्था सफलतापूर्वक चलाई जाती रही है। इसे भी पढ़ेंः भारत में राज्य सरकारों के ऋणों में भारी वृद्धि इन राज्यों की अर्थव्यवस्था को ले डूबेगी भारतीय आर्थिक दर्शन में विपुलता के सिद्धांत÷ की व्याख्या मिलती है जिसके अनुसार, बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति सदैव ही मांग से अधिक रहती थी। इस सिद्धांत के चलते चूंकि उत्पादों की बाजार में पर्याप्त आपूर्ति रहती थी अतः वस्तुओं के बाजार भाव में वृद्धि नहीं दिखाई देती थी, अतः भारत में प्राचीनकाल में मुद्रा स्फीति की समस्या सर्वथा, थी ही नहीं। जबकि, आज विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति की समस्या सबसे बड़ी समस्या है जिसका हल निकालने में ये देश सक्षम नहीं दिखाई दे रहे हैं। विपुलता के सिद्धांत के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ही विभिन्न उत्पादों का उत्पादन किया जाकर स्थानीय हाट बाजार में इन उत्पादों का विक्रय किया जाता था, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वावलम्बन का भाव जागृत होता था। कुछ इलाकों में 40/50 गांवों के बीच साप्ताहिक हाट की व्यवस्था विकसित की गई थी। इन साप्ताहिक हाटों में लगभग सभी प्रकार के उत्पादों का विक्रय किया जाता था। चूंकि स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त मात्रा में बाजार में उपलब्धि रहती थी, अतः इन उत्पादों की कीमतें भी अपने आप ही नयंत्रित रहती थीं और इस प्रकार प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति के स्थान पर घटते हुए मूल्य के अर्थशास्त्र का वर्णन मिलता है। पूरे विश्व में, इस संदर्भ में, वर्तमान स्थिति भारतीय आर्थिक दर्शन के ठीक विपरीत दिखाई देती है जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं कही जा सकती है। दरअसल, मुद्रा स्फीति का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है और आज वैश्विक स्तर पर उत्पादन इकाईयां विभिन्न वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति को विपरीत रूप नियंत्रित करती हैं ताकि इन उत्पादों की बाजार में कीमत बढ़ सके एवं इन उत्पादन इकाईयों के लाभ में वृद्धि दर्ज हो सके। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्था में उत्पादन इकाईयों का मुख्य उद्देश्य ही अधिकतम लाभ कमाना होता है और इस मूल्य वृद्धि से समाज के गरीब एवं मध्यम वर्ग पर कितना बोझ बढ़ रहा है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं रहता है। प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति की समस्या इसलिए भी नहीं रहती थी क्योंकि प्राचीनकाल में भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत का अनुपालन सुनिश्चित होता था। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजार में उत्पादों के विक्रेताओं के बीच में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रहती थी। उत्पाद बेचने वाले स्थानीय विक्रेताओं की पर्याप्त संख्या रहती थी एवं साथ ही इनके बीच अपने अपने उत्पाद बेचने की प्रतिस्पर्धा रहती थी ताकि अपने अपने उत्पाद शीघ्र ही बेचकर वे अपने अपने ग्रामों में सूरज डूबने के पूर्व वापिस पहुंच सकें। इस प्रकार के कारणों के चलते कई बार तो विक्रेता अपने उत्पादों को सस्ते भाव में बेचना चाहता था अतः बाजार में उत्पादों के मूल्यों में कमी भी दिखाई देती थी। आज, वैश्विक स्तर पर निगमित क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा तो एक तरह से दिखाई ही नहीं देती है बल्कि वे आपस में मिलकर उत्पादक संघ (कार्टेल) का निर्माण कर लेती हैं और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों के बाजार मूल्यों को अपने पक्ष में नियंत्रित किया जाता हैं ताकि वे इन उत्पादों के व्यापार से अपने लिए अधिकतम लाभ का अर्जन कर सकें। इस पूंजीवादी नीति से इन कम्पनियों की लाभप्रदता में तो वृद्धि होती है परंतु आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अतः उक्त पूंजीवादी आर्थिक नीति के चलते आम नागरिकों पर निर्मित होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने की दृष्टि से विक्रेताओं द्वारा लाभ अर्जन के संदर्भ में भी भारतीय आर्थिक दर्शन के नियमों का अनुपालन किया जा सकता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य सिद्धांत के अंतर्गत, विक्रेता द्वारा स्वयं के द्वारा निर्मित वस्तु की उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए एवं यदि उस वस्तु का निर्यात किसी अन्य देश को किया जा रहा है तो उस वस्तु के उत्पादन लागत पर 10 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए। इस नीति के अनुपालन से प्राचीन भारत में विभिन्न उत्पादों के बाजार मूल्य लम्बे समय तक स्थिर रहते थे एवं इनके मूल्यों में वृद्धि लगभग नहीं के बराबर दिखाई देती थी। आज पूंजीवादी नीतियों के अंतर्गत विभिन्न उत्पादों के विक्रय मूल्यों पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं है। विशेष रूप से दवाईयों के मूल्य के सम्बंध में नीति का उल्लेख यहां किया जा सकता है। केन्सर एवं दिल की बीमारी से सम्बंधित दवाईयों के बाजार मूल्य लाखों रुपयों में तय किए जाते हैं क्योंकि इन दवाईयों को बेचने का एकाधिकार पैटेंट कानून के अंतर्गत केवल इन दवाईयों का उत्पादन करने वाली कम्पनियों के पास रहता है। नागरिक को दवाई उपलब्ध कराने का कार्य सेवा कार्य की श्रेणी में रखा गया है। उक्त वर्णित दवाईयों की बाजार में उपलब्धता बढ़ाकर एवं इन दवाईयों के विक्रय मूल्य को नयंत्रित रखकर कई जीवन बचाए जा सकते हैं। परंतु, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत तो लाभ कमाना ही मुख्य उद्देश्य है। आज विश्व के कई देशों में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण करती हुए दिखाई दे रही है एवं इन देशों के पास बेरोजगारी की समस्या को हल करने का कोई उपाय भी सूझ नहीं रहा है। भारत के प्राचीन ग्रंथो में बेरोजगारी की समस्या के संदर्भ के किसी प्रकार का जिक्र भी नहीं मिलता है। स्वयं के नियोजन के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उस समय पर विभिन्न परिवारों द्वारा स्थापित अपने उद्यमों को ही आगे आने वाली पीढ़ी आगे बढ़ाती जाती थी,

योग, अध्यात्म और पर्यावरण का संगम ही हमें वह दिशा देता है जहाँ उपयोगिता का अर्थ होगा - संवेदना, संतुलन और सहयोग

महेश अग्रवाल

मानव जीवन का प्रत्येक आयाम किसी–न–किसी उपयोगिता से जुड़ा है – जल, वायु, ऊर्जा, परिवहन, संचार, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण – ये सभी हमारे अस्तित्व की धुरी हैं। जब इनका संतुलित और सतत उपयोग होता है, तब जीवन व्यवस्थित रहता है; परंतु जब इनका दुरुपयोग या अतिउपभोग होने लगता है, तब विनाश के बीज अंकुरित होते हैं। विश्व उपयोगिता दिवस, जो प्रतिवर्ष 8 नवम्बर को मनाया जाता है, हमें यह स्मरण कराता है कि मानव का कर्तव्य केवल उपभोग करना नहीं, बल्कि संरक्षण और संतुलन बनाए रखना भी है। यह दिवस हमें अपनी उपयोगिता सेवाओं – बिजली, पानी, गैस, दूरसंचार, परिवहन और प्राकृतिक संसाधनों – को मानवीय दृष्टिकोण से देखने की प्रेरणा देता है।

उपयोगिता सेवाएँ और मानव सभ्यता की धुरी सभ्यता का विकास उपयोगिता सेवाओं के आधार पर हुआ है। प्रारंभ में उपयोगिता का अर्थ था सामूहिक हित में साझा संसाधन, किंतु समय के साथ यह व्यक्तिगत स्वार्थ और भौतिक उपभोग का माध्यम बन गया। जहाँ जल का उपयोग पहले शुद्धि और सिंचन के लिए था, वहाँ आज वही उद्योगों की अपव्ययी मशीनों में नष्ट हो रहा है। जहाँ अग्नि देवता यज्ञों में प्रकट होते थे, वहीं अब वही ऊर्जा प्रदूषण का कारण बन गई है। यह विरोधाभास ही हमारे मानवीय दृष्टिकोण की परीक्षा है।

पंचतत्व और उपयोगिता – योगिक दृष्टि योग के अनुसार सम्पूर्ण सृष्टि पंचमहाभूतों – पृथ्वी, जल,

अग्नि, वायु और आकाश – से बनी है। इनका संतुलन बिगड़ने पर न केवल पर्यावरण, बल्कि मानव शरीर भी असंतुलित हो जाता है।पृथ्वी तत्व – जीवन का आधार; भूमि क्षरण और खनिज दोहन हमारे अस्तित्व पर आघात हैं। जल तत्व – जीवन का प्राण; जल का संरक्षण ही मानव संस्कृति का संरक्षण है। अग्नि तत्व – **ऊर्जा का प्रतीक;** संयमित उपयोग शक्ति देता है, अति प्रयोग विनाश लाता है। वायु तत्व – श्वास का आधार; शुद्ध वायु ही शुद्ध चिंतन का कारण है। आकाश तत्व – चेतना का क्षेत्र; सूचना और संचार का आधुनिक उपयोग इसी की अभिव्यक्ति है। इन पाँचों तत्वों का योगिक संरक्षण ही सच्चा पर्यावरणीय और आध्यात्मिक विकास है।

योग और उपयोगिता का संबंध – आंतरिक एवं बाह्य शुद्धि योग केवल आसन या प्राणायाम नहीं, बल्कि जीवन का वैज्ञानिक संतुलन है। जैसे शरीर में रक्त का प्रवाह रुक जाए तो रोग उत्पन्न होता है, वैसे ही समाज में उपयोगिता सेवाओं का प्रवाह असमान हो जाए तो सामाजिक असंतुलन जन्म लेता है। गीता कहती है – समत्वं योग उच्यते – अर्थात संतुलन ही योग है। यदि हम ऊर्जा, जल और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखें, तो समाज स्वतः योगमय बन जाएगा।

स्वास्थ्य की उपयोगिता – शरीर, मन और आत्मा की एकता स्वास्थ्य केवल रोगों की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक समरसता है। शुद्ध वायु, निर्मल जल और पौष्टिक भोजन जैसी उपयोगिता सेवाएँ जब सुलभ होती हैं, तब व्यक्ति स्वस्थ रहता है। योग हमें सिखाता है – पहले स्वयं को शुद्ध करो। प्राणायाम से श्वास शुद्ध होती है, ध्यान से विचार, और संयम से जीवन। यही स्वास्थ्य और उपयोगिता का वास्तविक संगम है।

अध्यात्म और उपयोगिता सेवाओं की आत्मीयता अध्यात्म का अर्थ है आत्मा से संबंध। जब उपयोगिता सेवाएँ केवल सुविधा का साधन न रहकर सेवा और करुणा का माध्यम बन जाएँ, तब वे अध्यात्म का रूप ले लेती हैं। जब बिजली गाँव के अंतिम घर तक पहुँचती है, वह केवल प्रकाश नहीं, अवसर का द्वार बनती है। जब स्वच्छ जल किसी प्यासे तक पहुँचता है, वह जीवन का वरदान बनता है। जब सड़कें गाँवों को जोड़ती हैं, वे हृदयों को जोड़ती हैं।अध्यात्म यही सिखाता है कि हर उपयोगिता सेवा में मानवता का भाव जुड़ा हो।

योगिक नीतियाँ और उपयोगिता अनुशासन योग के यम और नियम केवल साधना के सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन की नीतियाँ हैं अहिंसा – प्रकृति पर हिंसा न करें; संसाधनों का दुरुपयोग भी हिंसा है। सत्य – उपयोगिता सेवाओं में पारदर्शिता और ईमानदारी ही सत्य योग है। अस्तेय – जो हमारे अधिकार में नहीं, उसका उपभोग न करना। ब्रह्मचर्य – ऊर्जा का संयमित उपयोग; अपव्यय से बचाव। अपरिग्रह – जितना आवश्यक है, उतना ही ग्रहण करें; यही सतत विकास का मूलमंत्र है।

जब मनुष्य ने स्वयं को प्रकृति का स्वामी समझ लिया, तभी असंतुलन आरंभ हुआ। योग दर्शन कहता है – यम और नियम से ही आत्मशोधन और पर्यावरण शुद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।

अहिंसा और अपरिग्रह जैसे सिद्धांत हमें सिखाते हैं कि प्रकृति से केवल उतना ही लें जितना आवश्यक है। यही जीवन की सतत उपयोगिता है।

संतुलित उपभोग बनाम अतिउपभोग आज का युग अतिउपभोग का है। योग कहता है – युक्ताहार विहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु – अर्थात आहार, व्यवहार और कर्म में संतुलन ही योग है। यदि हम संयम सीख लें, तो पर्यावरण, ऊर्जा और स्वास्थ्य सभी संकट मिट सकते हैं।

प्राकृतिक संसाधनों का योगिक संरक्षण योग जीवन का पारिस्थितिक विज्ञान है। हर संसाधन 'प्रसाद' है – जिसे श्रद्धा और कृतज्ञता से ग्रहण करना चाहिए। जब जल को गंगाजल, वायु को प्राण, और पृथ्वी को माता माना जाएगा, तब संरक्षण सहज हो जाएगा।

वर्ग पहेली 5908

1	2	3	4	■	5	6	7
8				■	9		
	■		■	10		■	
11	12		13	■	14	15	
■		■	16	17	■		■
■	18	19			■	20	21
■		22			■	23	
■	24			■	25	■	

संकेतः बाएं से दाएं

1. 13 मार्च 1999 को शेख हमाज बिन ईसा अल खलीफा इस देश के शासक बने (4)
5. उत्तरप्रदेश की इस नगरी में 13 मार्च 2009 को साहित्योत्सव शुरू हुआ (3)
8. कुछ लाल, सुर्खी लिए हुए (4)
9. जल से उत्पन्न वस्तु (3)
10. पुत्र का अपभ्रंश, बेटा (2)
11. नगर वधु, वेश्या, गणवधु (4)
14. मेहराब, सर्वोच्च सत्ता (3)
16. सुंदर स्त्री, कोमल कांड (2)
18. उत्साहपूर्ण, बलिष्ठ, जिसमें दम हो, शक्तिशाली (4)
20. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
22. किसी फिल्म, रंगमंच आदि का मुख्यपात्र (3)
23. अपना, खुद का, मेरा (2)
24. शिवजी का धनुष जिसे सीता स्वयंवर के समय श्रीराम ने तोड़ा था (3)
25. एक प्रकार का अन्न जिससे मदिरा निर्माण भी होता है (1)

ऊपर से नीचे

1. वर्षा, बारिश (4)
2. गुणित, प्रहारित, पूरित (2)
3. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म बी.आर.इशारा निर्देशित जरूरत (1991) थी (4)
4. पुरूष, मर्द (2)
5. वर्तमान दौर का एक न्यूज चैनल (4)
6. मछली, बात (पंजाबी)(2)
7. ताजमहल में लगने वाला संगमरमर पत्थर इस प्रदेश से लाया गया था (4)
12. पिता, पैदा करने वाला, जनक (3)
13. फल देने वाला, फलदाता (5)
15. अवमानना, आबरूरेजी, मानभंग (4)
17. भवसारगर से पार उतारने वाल (3)
19. रूठे हुए को प्रसन्न करना, मन्न्त मानना (3)
21. स्वादिष्ट, सुस्वाद, मजेदार (2)

वर्ग पहेली 5907 का हल

ब्रा	जी	ल	■	■	क	ना	डा
स	म	त	ल	■	द	म	क
■	ना	म	क	■	म	■	■
अ	■	र्द	■	अ	बो	ध	■
मी	जा	न	■	क	स	र	त
र	फ	■	अ	ल्प	■	ना	त
■	रा	ह	ज	नी	■	■	■
मु	नी	म	■	य	हू	दी	■

अमेरिका और चीन के बीच ये 3 समझौते

सितंबर 2018 में चीन पर 10% टैरिफ लगाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि चीन कई बरसों से अमेरिका का फायदा उठा रहा है और उन्हें पता है कि उसे कैसे रोकना है। वह ट्रंप का पहला कार्यकाल था और उस पूरे रेजीम में चीन को लेकर उनका रवैया ऐसा ही सख्त रहा। लेकिन, दूसरे कार्यकाल के 10 महीने के भीतर ही उनका रुख बिल्कुल उल्टा हो चला है। अब वह चीन को खतरे के रूप में नहीं, उसकी दोस्ती को स्थायी शांति और सफलता के लिए जरूरी मान रहे हैं।

अमेरिका-चीन समझौता। डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की और इसके बाद कई अहम घोषणाएं हुईं। रेयर अर्थ मिनरल्स, ट्रेड टैरिफ और अमेरिकी कृषि उत्पाद पर जो गतिरोध था, वह सुलझता दिख रहा है। दुनिया के लिए चौंकाने वाली बात यह नहीं कि दोनों महाशक्तियों के बीच सुलह हो गई, बल्कि यह है कि दोनों एक ऐसे गठजोड़ की तरफ बढ़ते दिख रहे हैं, जिसको लेकर अभी तक की कोशिशें असफल रही हैं।

यह पार्टनरशिप इस सदी के सबसे बड़े भू-राजनीतिक बदलाव की वजह बन सकती है और इसका असर जिन देशों पर सबसे ज्यादा पड़ेगा, उनमें भारत भी है। अभी तक माना जा रहा था कि चीन के बढ़ते प्रभुत्व को रोकने के लिए अमेरिका उसके बरक्स भारत को खड़ा कर रहा है। कोरोना के दौर में चीन प्लस वन पॉलिसी चली, तो चर्चा में भारत ही रहा और इसका उसे फायदा भी मिला। अब जब वॉशिंगटन और पेइचिंग करीब आ रहे हैं, तो यह पॉलिसी भी शायद ज्यादा न चल पाए।

अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर लड़ रहे चीन ने रेयर अर्थ की सप्लाई को हथियार की तरह इस्तेमाल किया था, जिसका असर भारत समेत पूरी दुनिया पर पड़ा। पिछले ही महीने जब चीन ने निर्यात से जुड़े नए नियम लागू किए तो अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इसे सभी की लड़ाई बताते हुए भारत से मदद मांगी। लेकिन, अब ऐसा लगता है कि यह लड़ाई अमेरिका को छोड़कर भारत और बाकी दुनिया की है। नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच अभी तक व्यापार समझौता नहीं हुआ है। रूस के साथ तेल खरीद भी भारतीय कंपनियों ने कम कर दी है। दूसरी ओर, चीन को ट्रंप छूट दे रहे हैं और टैरिफ भी कम कर दिया है। ये संकेत हैं कि इन दोनों देशों को लेकर भारत को अपनी विदेश नीति पर नए सिरे से विचार करना होगा। और बात केवल व्यापार की नहीं है, क्वाड जैसे गठजोड़ का भविष्य भी अधर में है।

आज का राशिफल

मेष
आज धन लाभ के योग बनते हुए दिख रहे हैं। दिनभर कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। राशि स्वामी हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में है। इससे आपके लिए पदोन्नति या नौकरी में उन्नति के संकेत मिल रहे हैं। बृहस्पति के मिथुन राशि में मार्गी होने से आपके स्वभाव में कुछ चिड़चिड़ापन आ सकता है। ऐसे में आपको धैर्य काम लेना होगा रखें।

वृष
आज संपति से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है। इस दौरान आपके परिवार में भी हंसी–खुशी का माहौल रहेगा। घर का वातावरण सौहार्दपूर्ण बना रहने वाला है। बुजुर्गों के आशीर्वाद से आपको धन लाभ होने की संभावना दिखाई दे रही है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बनते दिख रहे हैं।

मिथुन
आज का दिन शुभ रहने वाला है। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन के चांस बनते दिख रहे हैं। इस दौरान संतान से संबंधित कोई शुभ समाचार मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज के दिन विलासिता के प्रति आपकी रुचि बढ़ती हुई दिख रही है। कार्यस्थल पर सहयोगियों का पूरा साथ मिलने से लाभ की संभावना बन रही है।

कर्क
आज संतान पक्ष की ओर से सुखद समाचार प्राप्त होगा। मित्रों के सहयोग से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। इस दौरान आपको किसी प्रकार का गिफ्ट मिलने की संभावना दिख रही है। दिन के उत्तरार्ध में पढ़ाई–लिखाई में आपका मन लगेगा। कार्यक्षेत्र में प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह
आज घर में मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। मित्रों की मदद से व्यापार में आज के दिन आपको नए अवसर प्राप्त होंगे। अचानक धन लाभ का योग बनता हुआ दिख रहा है। हालांकि इस दिन स्वास्थ्य के प्रति आपको सचेत रहने की जरूरत है। शनि के प्रभाव से पाचन में गड़बड़ी या वायु विकार हो सकता है।

कन्या
आज कार्यक्षेत्र में अधिक परिश्रम करनी पड़ेगी और अंत में इसका परिणाम भी आपके लिए लाभदायक रहेगा। लेखन और शिक्षा के कार्यों से आय में वृद्धि होगी। हालांकि इस समय आपको अपने क्रोध पर संयम बनाए रखना होगा। संतान की पढ़ाई से अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे।

तुला
आज अपनी इच्छा के विरुद्ध कार्य करना पड़ सकता है। इस दौरान आपके परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। हालांकि कुछ खर्चों के सामने आने से आर्थिक स्थिति गड़बड़ हो सकती है। वहीं, नौकरीपेशा जातकों को आज दफ्तर में अपने अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। शाम के समय किसी आध्यात्मिक कार्य में भागीदारी से आपका मन प्रसन्न रहेगा। रात का समय सामाजिक गतिविधियों में व्यतीत होगा।

वृश्चिक
आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है। राशि स्वामी मंगल द्वादश भाव में होकर चंद्रमा से दशम योग बना रहें है। इससे आपके कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। आज के दिन मां का आशीर्वाद आपके लिए फलदायी रहने वाला है। वही, लंबे समय से अटका हुआ धन आज के दिन मिलने की संभावना दिख रही है।

धनु
आज कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। हालांकि शनि के प्रभाव से मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है। परिवार में संपत्ति को लेकर कुछ मतभेद हो सकते हैं। इस दौरान बातचीत में संयम बरतें। भाइयों के साथ विचारों में टकराव के आसार बन रहे हैं। शाम के बाद छोटी यात्रा करना पड़ सकती है।

मकर
आज का दिन आपके मान–सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आया है। बुध और राहु का प्रभाव मकर राशि वालों के कार्यक्षेत्र में विशेष सफलता दिलाएगा। आज के दिन भाग्य का पूर्ण सहयोग मिलेगा। शत्रुओं पर विजय मिलेगी और धन की प्राप्ति के योग भी बनते दिख रहे हैं। आपके रुतबे से विरोधी भी आपके पक्ष में झुक सकते हैं।

आज आपको कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती हैं। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी। संपत्ति के विस्तार या उससे आय के नए अवसर मिलेंगे। हालांकि इस दौरान जीवनसाथी से मतभेद हो सकता है। ऐसे में अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है। शाम को धार्मिक आयोजन हो सकता है। मानसिक शांति के लिए ध्यान और योग कर सकते हैं।

मीन
आज आपका दिन सामान्य परिणाम देने वाला रहेगा। धर्म–कर्म में आपकी आस्था बढ़ेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्च हो सकता है। नजदीकी रिश्तेदारों का आगमन माहौल को खुशनुमा बनाएगा। आर्थिक रूप से आय के नए स्रोत आपके सामने आएंगे। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। निवेश के लिए ये सही समय है।

सितंबर में लोन की औसत ब्याज दर 0.24 फीसदी घटी

रेपो दरों में कटौती का दिखा असर

● 0.25 प्रतिशतसस्ते सरकारी बैंकों के कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी।
त्योहारी मौसम में बैंकों के कर्ज बढ़ाने और इस साल रेपो दर में एक फीसदी की कटौती से सितंबर में लोन की औसत ब्याज दर 0.24 फीसदी घट गई। हालांकि, लगातार पांच महीनों तक जमा पर ब्याज में कटौती के बाद बैंकों ने सितंबर में मामूली बढ़ोतरी कर दी। फरवरी से सितंबर के दौरान कर्ज की ब्याज दरों में 0.83 फीसदी और जमा ब्याज में 1.02 फीसदी की कटौती की गई।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के मुताबिक, भविष्य में ऋण दरों में सीमित कटौती की उम्मीद है। दिसंबर तिमाही में ये बढ़ भी सकती हैं। यह संभावना ऋण मांग में मौसमी वृद्धि और जमा राशि जुटाने में सुस्ती की उम्मीदों से बनी है। सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के नए ऋणों की औसत ब्याज दर सितंबर में तेजी से गिरकर 8.5 प्रतिशत हो गई। यह अगस्त की तुलना में 0.24 फीसदी कम है। उम्मीद से ज्यादा बड़ा यह सुधार ग्राहकों के लिए त्योहारी सीजन का तोहफा प्रतीत होता है।

उदाहरण के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा ने 28 अगस्त से खुदरा ऋण दरों में 0.25 से 0.70 फीसदी की कटौती की थी। आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई जैसे प्रमुख ऋणदाताओं ने सितंबर में कई ऑफर पेश किए। विभिन्न बैंकों ने कुछ निश्चित अवधियों पर सीमांत निधि आधारित उधार दर (एमसीएलआर) में 0.05 से 0.15 फीसदी तक कटौती की। इस कारण सितंबर में उधार दरों में भारी कमी आई।

सितंबर में सरकारी बैंकों के कर्ज औसतन 0.25 फीसदी सस्ते हुए। निजी क्षेत्र के बैंक स्थिर गति से आगे बढ़ रहे हैं। जून में उदार कटौती के बाद जुलाई में दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की। उसके बाद से उन्होंने लगातार दरें कम की हैं। सितंबर में निजी बैंकों के कर्ज की औसत ब्याज दरें 0.10 फीसदी कम हो गई। कुल मिलाकर, सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के नए कर्जों में मौजूदा ढील चक्र के दौरान 0.83 फीसदी की गिरावट आई है। यह जनवरी के 9.3 प्रतिशत से घटकर 8.5 प्रतिशत हो गया है। कर्ज की मांग बढ़ी तो घट गई नकदी कर्ज की मांग में तेजी से बैंकिंग सिस्टम की नकदी में गिरावट आ गई है। अगस्त में रोजाना की औसत नकदी 2.9 लाख करोड़ रुपये थी, जो सितंबर में कम होकर 1.6 लाख करोड़ रुपये रह गई। अक्तूबर में यह और घटकर एक लाख करोड़ रुपये हो गई। यह तब हुआ, जब आरबीआई ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में दो बार कटौती की थी। सीआरआर वह अनुपात है, जिस अनुपात में बैंकों को एक तय नकदी आरबीआई के पास रखनी होती है। तो पड़ सकता है ब्याज दरों पर दबाव

अक्तूबर में गिरते रुपये को सहारा देने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में सक्रिय रूप से आरबीआई हस्तक्षेप कर रहा है। अगर आरबीआई को और अधिक हस्तक्षेप करना पड़ा, तो इससे बैंकिंग प्रणाली की तरलता पर और दबाव पड़ सकता है। इससे उधारी पर कम हो रही ब्याज दरें आगे चलकर प्रभावित हो सकती है।

फरवरी में लंबे समय बाद घटी थी रेपो दर

फरवरी, 2025 में आरबीआई ने लंबे समय बाद पहली बार रेपो दर में कटौती की। बैंकों ने हर महीने कर्ज पर औसत ब्याज दर को 9 फीसदी तक घटाया। जून में यह कमी बढ़कर 0.58 फीसदी तक पहुंच गई। ऐसा इसलिए, क्योंकि आरबीआई ने रेपो दर में फिर से 0.50 फीसदी की कमी की। हालांकि, जुलाई में सरकारी बैंकों ने इसके उलट कर्ज की औसत ब्याज दरें 0.19 फीसदी तक बढ़ा दी। निजी क्षेत्र के बैंकों ने दर कटौती का चक्र जारी रखा। अगस्त में ढील फिर से शुरू हुई।

5.6 प्रतिशतपर पहुंची जमा पर ब्याज दरें

रिपोर्ट के अनुसार, जमा पर औसत ब्याज दरें अगस्त में कई वर्षों के निचले स्तर 5.56 फीसदी पर आ गई थी। हालांकि सितंबर में यह मामूली बढकर 5.6 फीसदी पर पहुंच गई। लेकिन फरवरी से लेकर सितंबर तक के दौरान इसमें 1.02 फीसदी की भारी गिरावट आई है। यह इसलिए हुआ क्योंकि उधारी पर भी ब्याज दरें इस दौरान तेजी से घटती रहीं और इससे बैंकों की लागत की दरें कम हो गईं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक साझेदारी को नई दिशा देने की तैयारी, पीयूष गोयल पहुंचे ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में एक अहम दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के व्यापार व पर्यटन मंत्री सीनेटर डॉन फैरेल और कौशल व प्रशिक्षण मंत्री एंड्रयू जाइल्स से मुलाकात की। इस द्विपक्षीय बैठक का उद्देश्य भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई देना था। बैठक में भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता पर विस्तार से चर्चा हुई। यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, इस बातचीत में सीईसीए वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा की गई और यह तय किया गया कि कैसे दोनों देश मिलकर व्यापारिक संबंधों को और मजबूत बना सकते हैं। खासतौर पर वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, निवेश और पारस्परिक लाभ के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले से ही मजबूत रणनीतिक संबंध हैं, लेकिन इस समझौते से इन संबंधों को और गहराई मिलेगी। दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि आर्थिक साझेदारी की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

डॉलर की तेजी के कारण सोने में तीसरे सप्ताह गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट जारी रही। जानकारों का मानना है कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की सतर्क टिप्पणियों का निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की प्रतीक्षा और निगरानी की नीति के कारण सुरक्षित निवेश वाली इस परिसंपत्ति की मांग कम हुई है। दूसरी ओर, छुट्टियों के कारण छोटे कारोबारी सप्ताह में सर्राफा बाजार की कीमतें सीमित दायरे में बनी रहीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव पिछले सप्ताह 165 रुपये यानी 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुक्रवार को 1,21,067 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

ग्रामीण भारत ने शहरी इलाकों को पछाड़ा

बढ़ती आय, आसान कर्ज और अच्छी बारिश से बढ़ा उपभोग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में उपभोग की रफ्तार अब शहरों से ज्यादा गांवों में देखने को मिल रही है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की ताजा इकोस्कोप रिपोर्ट रूरल रूल्स, अर्बन फॉलोज के मुताबिक, आय में बढ़ोतरी, कर्ज की आसान उपलब्धता और बेहतर मानसून के कारण ग्रामीण भारत में खपत तेजी से बढ़ी है। सरकार ने शहरी उपभोग को बढ़ाने के लिए आयकर में कटौती और जीएसटी सुधार जैसे कदम उठाए, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण इलाकों में खपत ज्यादा बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही से ग्रामीण खपत में लगातार इजाफा हो रहा है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में यह 7.7 प्रतिशतकी सालाना दर से बढ़ी। यह पिछली 17 तिमाहियों में सबसे तेज है। हालांकि शहरी इलाकों में भी कुछ सुधार देखने को मिला है, लेकिन वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में वहां की खपत धीमी रही। त्योहारों के मौसम से पहले पेट्रोल की मांग और गैर-कृषि आयात जैसे संकेतकों में सुधार देखा गया है, जिससे उम्मीद है कि तीसरी तिमाही में शहरी खपत में तेजी आएगी। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण मांग आने वाले समय में भी मजबूत बनी रह सकती है। इसकी वजह है बढ़ती मजदूरी, अच्छी रबी फसल की संभावना और कम महंगाई। वहीं, त्योहारों के चलते शहरी मांग में भी सुधार की उम्मीद है।

संकटों से घिरी दुनिया में किसानों का कमाल, अनाज उत्पादन तोड़ेगा रिकॉर्ड

दुनिया के कई हिस्सों में खाद्य मुद्रास्फीति, जलवायु संकट और आपूर्ति व्यवधानों से लोग जूझ रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
संकटों से जूझ रही दुनिया में किसान अपना काम चुपचाप करते रहे। इसी का असर है कि इस साल वैश्विक अनाज उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना है। अनुमान है कि कुल उत्पादन 4.4 फीसदी बढ़कर 299 करोड़ टन तक पहुंच सकता है, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर होगा। यह वृद्धि उस समय हो रही है जब दुनिया के कई हिस्सों में खाद्य मुद्रास्फीति, जलवायु संकट और आपूर्ति व्यवधानों से लोग जूझ रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर मौसम, उन्नत कृषि तकनीक और निर्यात प्रतिबंधों में ढील ने इस सकारात्मक रुझान को संभव बनाया है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मक्का, गेहूं और चावल तीनों प्रमुख अनाजों की पैदावार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की उम्मीद है। सबसे अधिक उछाल मक्का की फसल में देखा जा सकता है, जबकि चावल की वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम रहेगी, लेकिन यह भी अपने इतिहास के उच्चतम स्तर तक पहुंचने की संभावना रखता है। इसके अलावा जौ जैसे अन्य अनाजों के उत्पादन में भी इजाफे की उम्मीद है।

अनुमान है कि 2025 के अंत तक वैश्विक अनाज भंडार 5.7 फीसदी बढ़कर 91.6 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाएगा। यह 2017-18 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर होगा। यानी वर्ष 2025-26 में दुनिया के पास जितना अनाज उपभोग के लिए आवश्यक होगा, उसका लगभग 31.1 प्रतिशतअतिरिक्त भंडार पहले से मौजूद रहेगा। यह अनुपात जितना ऊंचा होगा।

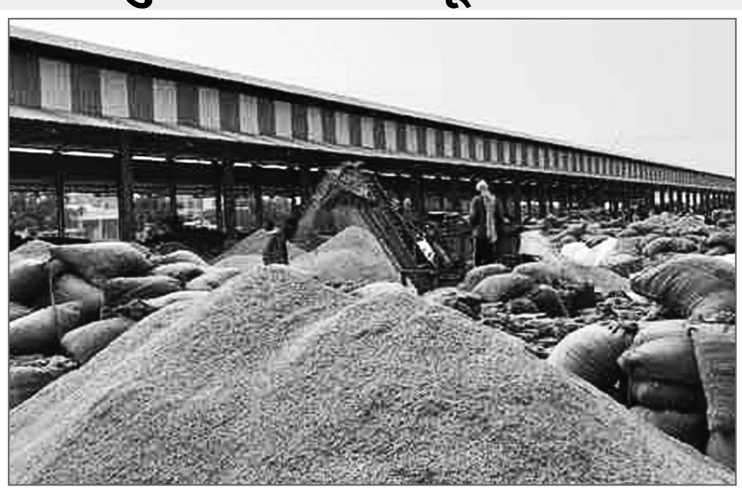

आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल ने बढ़ाया उत्पादन

2025 में चरम मौसमी घटनाओं के बावजूद वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड अनाज उत्पादन इसलिए संभव हो पा रहा है, क्योंकि कई देशों ने जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों और उन्नत बीजों का बड़े पैमाने पर उपयोग शुरू कर दिया था। वह आधुनिक सिंचाई प्रणालियों और सैटेलाइट आधार्ति फसल निगरानी तकनीक से उपज बढ़ा रहा है। वहीं, अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित कृषि पूर्वानुमान प्रणालियों और जलवायु-सहनशील फसलों के उपयोग ने उत्पादन को स्थिर बनाए रखा।

हर मंगलवार 5 बजे ऑफिस छोड़ने से मिला फायदा, वर्क लाइफ बैलेंस पर नेटफ्लिक्स के को-फाउंडर

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉर्पोरेट जगत में वर्क लाइफ बैलेंस को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। इस बीच नेटफ्लिक्स के सह संस्थापक मार्क रैंडोल्फ का नया बयान है। नेटफ्लिक्स के सह-संस्थापक मार्क रैंडोल्फ ने अपने व्यस्त जीवन में एक ऐसा नियम अपनाया, जिसने उन्हें तीन दशकों तक संतुलित और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाए रखा। रैंडोल्फ का यह नियम बेहद सरल है, हर मंगलवार शाम 5 बजे ऑफिस से निकल जाना, चाहे कुछ भी हो जाए।

कैसे बनाए रखा यह नियम: रैंडोल्फ ने एक पुराने लिंक्डइन पोस्ट में अपने इस रूटीन को याद करते हुए बताया कि यह आदत उन्होंने अपने काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए अपनाई थी। उन्होंने लिखा कि 30 साल से ज्यादा वक्त तक, मैं हर मंगलवार बिल्कुल 5 बजे ऑफिस से निकल जाता था बारिश हो या धूप, कभी भी देर नहीं

की। उस शाम को मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ बिताता था। हम कभी फिल्म देखने जाते, कभी डिनर करते या बस शहर में टहलते।

रैंडोल्फ के मुताबिक, उस समय कोई मीटिंग, कॉन्फ्रेंस कॉल या जरूरी काम भी इस रूटीन को नहीं रोक सकता था। उन्होंने कहा कि अगर किसी को मुझसे मंगलवार को 4:55 बजे बात करनी होती, तो उसे पार्किंग लॉट तक चलते हुए कहना पड़ता था। अगर कोई संकट भी होता, तो हम उसे 5 बजे तक निपटा लेते थे।

भारत बना वैश्विक स्टार्टअप्स की पसंद

सिंगापुर और कनाडा की कंपनियां दिखा रहीं गहरी रुचि

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम अब विदेशी उद्यमियों को आकर्षित कर रही है। सिंगापुर और कनाडा के कई अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप्स ने भारत में अवसर तलाशने के लिए उत्सुक हैं। इन कंपनियों ने अपनी यह इच्छा ईपीआईसी 2025 ग्लोबल पिच प्रतियोगिता के दौरान व्यक्त की, जो हांगकांग साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क्स कॉर्पोरेशन (एचकेएसटीपी) की ओर से आयोजित की गई थी।

इस कार्यक्रम में 70 से अधिक अर्थव्यवस्थाओं से आए 1,200 आवेदनों में से 100 स्टार्टअप्स को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिनमें दो भारतीय कंपनियां भी शामिल थीं। इन्हें तीन कैटेगरी डिजिटल हेल्थ टेक, फिनटेक और ग्रीनटेक में चुना गया। यह वार्षिक आयोजन दुनिया भर के स्टार्टअप्स

को निवेशकों, कॉरपोरेट पार्टनर्स और उभरते बाजारों से जोड़ने का प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। एचकेएसटीपी के चेयरमैन सनी चाई ने कहा कि हम हांगकांग की वैश्विक कनेक्टिविटी को अवसर में बदल रहे हैं, ताकि आइडियाज सीमाओं के पार बढ़ें और विस्तार पा सकें।

भारत में स्टार्टअप्स के लिए बेहतरीन इकोसिस्टम: सिंगापुर स्थित एनईयू बैटरी मैटेरियल्स के संस्थापक और सीईओ ब्रायन ओह ने कहा कि उनकी कंपनी बैटरी रीसाइक्लिंग के क्षेत्र में वैश्विक समाधान देना चाहती है। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा बाजार है, जहां स्टार्टअप्स के लिए बेहतरीन इकोसिस्टम है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बड़ी संख्या भारत को बैटरी रीसाइक्लिंग के लिए उपयुक्त बनाती है। हम यहां की सरकारी नीतियों और पहलों के बारे में अधिक जानना चाहते हैं। वहीं सिंगापुर की बेली कंपनी के प्रोडक्ट इंजीनियर जेडन लू ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था निवेशकों के लिए बड़ी संभावना पेश करती है। उन्होंने कहा कि भारत में विशाल जनसंख्या और मजबूत स्टार्टअप नींव के चलते निवेशकों के लिए बड़ा अवसर है। मैं भारत में स्टार्टअप्स का उज्जवल भविष्य देखता हूं। कनाडा स्थित केए इमेजिंग के अध्यक्ष और सीईओ अमोल एस कर्णिक ने कहा कि वे भारत में प्रवेश के अवसर तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत में सही साझेदार और निवेशक ढूंढ रहे हैं ताकि अपने काम को तेजी से आगे बढ़ा सकें।

दफ्तरों में 36005 वर्ग फुट जगह खाली कराई गई

वाणिज्य विभाग ने चलाया स्वच्छता से जुड़ा अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी।
वाणिज्य विभाग ने 2 अक्तूबर से 31 अक्तूबर 2025 तक आयोजित स्वच्छता से जुड़े विशेष अभियान 5.0 का सफलतापूर्वक समापन किया। अभियान का मकसद स्वच्छता को बढ़ावा देना, कार्यकुशलता में सुधार लाना और विभाग, उसके सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) व संबद्ध संगठनों में लंबित शिकायतों को दूर करना था। विभाग ने इस पहल के तहत प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, मुद्दों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने और कार्यस्थल प्रबंधन और स्वच्छता मानकों को बढ़ाने की कोशिश की।

विशेष अभियान 5.0 की प्रगति की विभाग के नोडल अधिकारी और उसके क्षेत्र संगठनों द्वारा बारीकी से निगरानी की गई। विभाग और उसके सार्वजनिक उपक्रमों और संगठनों के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी अभियान की सफलता को आगे बढ़ाने में सहायक रही। मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि कुल 277 स्वच्छता अभियान चलाए गए। इस दौरान ई-कचरे और स्क्रैप के निपटान से लगभग 70 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। ऐसा होने से दफ्तरों में 36,005 वर्ग फुट जगह खाली हुई।

अभियान के दौरान मुंबई में एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीजीसी) मुख्यालय में बड़े पैमाने पर चार्जिंग पॉइंट्स लगाकर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की कोशिश की गई। वहीं रूफटॉप सौर ऊर्जा

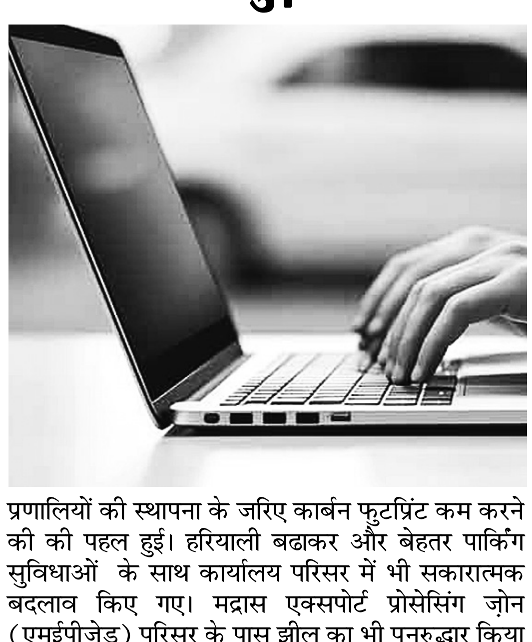

प्रणालियों की स्थापना के जरिए कार्बन फुटप्रिंट कम करने की की पहल हुई। हरियाली बढाकर और बेहतर पार्किंग सुविधाओं के साथ कार्यालय परिसर में भी सकारात्मक बदलाव किए गए। मद्रास एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग ज़ोन (एमईपीजेड) परिसर के पास झील का भी पुनरुद्धार किया गया। पहल के दौरान डिजिटलीकरण और रिकॉर्ड प्रबंधन, एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ई-कचरे पर जागरूकता अभियान चलाया गया। साथ ही, बिजली के उपकरणों और लिफ्ट की भी जांच की गई।

डिजिटल गोल्ड खरीदना सुरक्षित है सेबी ने निवेशकों के लिए जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
बाजार नियामक सेबी ने शनिवार को निवेशकों को डिजिटल या ई-गोल्ड उत्पादों में निवेश न करने की चेतावनी दी। सेबी ने कहा कि ऐसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नियामक ढांचे से बाहर हैं और इनमें निवेश करना काफी जोखिम भरा है। सेबी की ओर से यह चेतावनी तब आई है जब सेबी ने पाया कि कुछ ऑनलाइन मंच भौतिक सोने में निवेश के आसान विकल्प के रूप में 'डिजिटल गोल्ड' या 'ई-गोल्ड' उत्पादों का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।

सेबी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद सेबी द्वारा विनियमित गोल्ड उत्पादों से अलग हैं, क्योंकि इन्हें न तो प्रतिभूति के रूप में अधिसूचित किया गया है और न ही ये कमोडिटी डेरिवेटिव्स के रूप में विनियमित हैं। ये पूरी तरह से सेबी के अधिकार क्षेत्र से बाहर संचालित होते हैं। सेबी ने आगे स्पष्ट किया कि

विनियमित प्रतिभूतियों पर लागू निवेशक संरक्षण तंत्र ऐसी अनियमित डिजिटल गोल्ड योजनाओं पर लागू नहीं होगा।

बयान में आगे कहा गया, ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद निवेशकों के लिए काफी जोखिम पैदा कर सकते हैं और निवेशकों को प्रतिपक्ष और परिचालन जोखिमों के प्रति संवेदनशील बना सकते हैं। सेबी ने स्पष्ट किया कि निवेशक संरक्षण तंत्र जो विनियमित प्रतिभूतियों पर लागू होते हैं, वे इन अनियमित डिजिटल गोल्ड योजनाओं पर लागू नहीं होंगे।

बताया कहां करें निवेश

नियामक ने कहा कि निवेशक सेबी-विनियमित उत्पादों के माध्यम से सोने में निवेश कर सकते हैं। जैसे म्यूचुअल फंड द्वारा पेश किए जाने वाले गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ), एक्सचेंज-ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स और स्टॉक एक्सचेंजों पर ट्रेड किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स। सेबी ने यह भी जोड़ा कि इन विनियमित गोल्ड उत्पादों में निवेश पंजीकृत मध्यस्थों के माध्यम से किया जा सकता है और ये सेबी द्वारा निर्धारित नियामकीय ढांचे के अंतर्गत आते हैं।

डिजिटल गोल्ड क्या होता है

दरअसल, डिजिटल गोल्ड घर बैठे ऑनलाइन सोना खरीदने का एक तरीका है। इसे आप ऐसे भी समझ सकते हैं कि इसे खरीदने के लिए किसी दुकान पर नहीं जाना पड़ता, बल्कि घर बैठे आप इसे अपने मोबाइल से खरीद सकते हैं और अपने एप के वॉलेट में सुरक्षित रख सकते हैं। साथ ही कभी भी जरूरत पड़ने पर अपने हिसाब से इस बेच सकते हैं।

कब मनाई जाएगी काल भैरव जयंती?

काल भैरव जयंती, जिसे भैरव अष्टमी या कालाष्टमी भी कहते हैं। यह भगवान शिव के रौद्र स्वरूप काल भैरव को समर्पित है। इस दिन काल भैरव की पूजा करने से भय, पाप और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलती है, साथ ही राहु-केतु व शनि दोष भी दूर होते हैं। आइए इस तिथि से जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं, जो इस प्रकार हैं -

काल भैरव जयंती का हिंदू धर्म में बहुत ज्यादा महत्व है। यह भगवान शिव के रौद्र और उग्र स्वरूप काल भैरव जी को समर्पित है। इसे भैरव अष्टमी व कालाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन भगवान काल भैरव का प्राकट्य हुआ था। ऐसे में इस तिथि पर उनकी पूजा करने से साधक को भय, पाप और सभी प्रकार की नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलती है, तो आइए इस पावन तिथि से जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं, जो इस प्रकार हैं –

कब है काल भैरव जयंती 2025

हिंदू पंचांग के अनुसार, अष्टमी तिथि की शुरुआत 11 नवंबर 2025, मंगलवार को सुबह 11 बजकर 08 मिनट पर होगी। वहीं, अष्टमी तिथि का समापन 12 नवंबर 2025, बुधवार को सुबह 10 बजकर 58 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए कालभैरव जयंती का पर्व 12 नवंबर 2025, दिन बुधवार को मनाया जाएगा।

काल भैरव जयंती का महत्व

भगवान काल भैरव को काशी का कोतवाल भी कहा जाता है। इस दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन उनकी उपासना करने से सभी प्रकार के भय, शत्रु और बाधाएं दूर होती हैं। इसके अलावा जिन लोगों की कुंडली में राहु–केतु या शनि दोष होता है, उनके लिए इस दिन भैरव जी की पूजा बहुत लाभकारी मानी जाती है। वहीं, यह तिथि तंत्र–मंत्र साधना के लिए भी विशेष महत्व रखती है।

काल भैरव जयंती

भगवान शिव के उग्र रूप की पूजा की तिथि

काल भैरव जयंती को काल भैरव अष्टमी के रूप में भी जाना जाता है। यह तिथि हिंदू धर्म के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक है। इस दिन, भक्त भगवान शिव के उग्र रूप भगवान भैरव के जन्म का उत्सव मनाते हैं। भैरव अष्टमी मार्गशीर्ष महीने में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को पड़ती है।

भैरव अष्टमी, जिसे भैरव जयंती, काल भैरव अष्टमी या काल भैरव जयंती के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म का अत्यंत पवित्र पर्व है। इस दिन भगवान शिव के उग्र स्वरूप भैरव का जन्मोत्सव मनाया जाता है। भैरव अष्टमी मार्गशीर्ष महीने में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को पड़ती है।
यह तिथि सामान्यत : नवंबर, दिसंबर के महीनों में आती है। इस दिन भगवान भैरव की विशेष पूजा–अर्चना की जाती है, जिन्हें दंडपाणि भी कहा गया है। भगवान भैरव का वाहन कुत्ता होता है, इसलिए उन्हें कुत्ते की सवारी करने वाले देवता के रूप में भी जाना जाता है।

कौन हैं भगवान काल भैरव?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भैरव भगवान शिव के क्रोध का अवतार हैं। एक कथा के मुताबिक जब त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महादेव, में श्रेष्ठता को लेकर वाद–विवाद हुआ, तब ब्रह्मा द्वारा कही गई एक कटु बात से शिव क्रोधित हो गए। अपने क्रोध से उन्होंने भैरव को उत्पन्न किया और आदेश दिया कि ब्रह्मा के पांच सिरों में से एक को काट दें। भैरव ने आज्ञा का पालन किया, जिसके बाद ब्रह्मा के केवल चार सिर रह गए। इस घटना के बाद सभी देवता भयभीत हो उठे और उन्होंने भगवान शिव और भैरव से क्षमा याचना की।

पौराणिक कथा

एक अन्य कथा के अनुसार, जब ब्रह्मा ने शिव का अपमान किया, तो शिव के मस्तक से काल भैरव प्रकट हुए और उन्होंने ब्रह्मा का एक सिर काट दिया। इस कारण भैरव पर ब्रह्महत्या का दोष लग गया। इस पाप से मुक्ति पाने के लिए उन्हें कपाली व्रत धारण करना पड़ा और वे भिक्षुक के रूप में नग्न अवस्था में पृथ्वी पर घूमने लगे। अंतत : जब वे काशी (वाराणसी) पहुंचे, तब उनका पाप समाप्त हुआ। आज भी वाराणसी में काल भैरव का प्राचीन मंदिर स्थित है। भैरव अष्टमी के दिन भगवान काल भैरव की पूजा करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति, मन की शांति, और साहस प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि उनकी कृपा से जीवन में धन, स्वास्थ्य और समृद्धि आती है।

जरूर करें ये काम

- **दीपदान** – काल भैरव मंदिर में या घर पर ही सरसों के तेल का दीपक जलाकर भैरव बाबा का ध्यान करें।
- **भोग** – भैरव बाबा को जलेबी, उड़द की दाल के पकौड़े और नारियल का भोग लगाएं।
- **मंत्र जाप** – ऊँ काल भैरवाय नम : या ऊँ ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरुकुरु बटुकाय ह्रीं मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करें।
- **भैरव अष्टक पाठ** – काल भैरव अष्टक का पाठ करने से भय दूर होता है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

अपने प्रिय भगवान को उनकी पसंद का फूल चढ़ाएं, घर में होगी धन की वर्षा

भारतीय संस्कृति में पुष्प यानी फूल का विशेष महत्व है। किसी भी धार्मिक अनुष्ठान या पूजा–पाठ में भगवान को फूल अर्पित करना सबसे शुभ कार्य माना जाता है।
फूलों को लेकर संस्कृत में एक वाक्य भी है दैवस्य मस्तकं कुर्यात्कुसुमोपहितं सदा। अर्थात भगवान का मस्तक महेशा पुष्प (फूल) से सुशोभित रखना चाहिए। इसलिए आज भी कोई भी भक्त अपने प्रिय भगवान की पूजा करते हैं तो उनका पसंदीदा फूल ज़रूर चढ़ाते हैं।
वैसे तो कई लोग किसी भी भगवान को कोई भी फूल चढ़ा देते हैं लेकिन, क्या आपको मालूम है कि कौन सा पुष्प किस भगवान को विशेष रूप से पसंद होता है? इस लेख में हम आपको यह बताने जा रहे है कि किस भगवान को कौन सा फूल पसंद होता है। आइए जानते हैं।

भगवान विष्णु का पसंदीदा फूल

इस लेख में सबसे पहले भगवान विष्णु के बारे में जिक्र करते हैं। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु का सबसे प्रिय फूल कदंब का फूल है। कहा जाता है कि इस फूल को चढ़ाने से विष्णु जी बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और घर में धन की वर्षा भी होती है। कदंब के फूल के अलावा चेमली, चंपा, केवड़ा और कमल को भी भगवान विष्णु का प्रिय फूल माना जाता है।

भगवान शिव का प्रिय फूल

यह तो सब जानते हैं कि भगवान शिव का प्रिय फूल बेल का पत्ता और धतूरा फूल हैं। पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव शमी के फूल और पत्ते भी बहुत प्पसंद करते हैं। इसके अलावा हरसिंगार का फूल, नाग केसर का फूल और कनेर का फूल भी भगवान शिव बहुत पसंद करते हैं।

भगवान कृष्ण का प्रिय फूल

कहा जाता है कि भगवान कृष्ण के प्रिय फूलों का जिक्र महाभारत में भी है। जी हां, परंपरा के अनुसार भगवान कृष्ण कुमुद, करवरी, पलाश और वनमाला बहुत पसंद करते हैं। इसके अलावा कृष्ण कमल भी कृष्ण जी को बहुत पसंद हैं।

भगवान गणेश का प्रिय फूल

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश जी लाल फूल को बहुत पसंद करते हैं। यह मान्यता है कि वो दूर्वा सबसे अधिक पसंद करते हैं। इसके अलावा गुड़हल और लाल गुलाब भी बहुत पसंद करते हैं। गेंदा का फूल भी भगवान गणेश बहुत पसंद करते हैं।

हनुमान जी का प्रिय फूल

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान हनुमान को लाल पुष्प बहुत प्रिय हैं। इसलिए कई लोग हनुमान जी का पूजा करते वक्त लाल गुलाल भी चढ़ाते हैं। उन्हें लाल गेंदा और लाल गुलाब चढ़ाना शुभ माना जाता है।

शनिदेव का प्रिय फूल

यह मान्यता है कि शनिदेव नीले रंग का फूल बहुत पसंद करते हैं। इसलिए कई लोग शनिदेव पर नीले लाजवन्ती का फूल चढ़ाते हैं। लाजवन्ती के अलावा अन्य नीले रंग के फूल को भी शनिदेव बहुत पसंद करते हैं।
इसके अलावा मां लक्ष्मी का प्रिय फूल कमल माना जाता है। मां दुर्गा लाल गुलाब या लाल लाल गुड़हल बहुत पसंद करती हैं।

क्या आपकी कुंडली में भी है शनि की महादशा?

अपनाएं ये असरदार ज्योतिष उपाय

ज्योतिष में शनि की दशा से प्रभावित प्रतिकूल चरण जीवन में समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके प्रभाव में आने वाले लोगों को अक्सर व्यावसायिक असफलताओं, वित्तीय नुकसान, स्वास्थ्य समस्याओं या तनावपूर्ण रिश्तों का सामना करना पड़ता है। जबकि शनि का लक्ष्य आपके जीवन में अनुशासन और धैर्य के माध्यम से जीवन का पाठ पढ़ाना है, यह चरण आपको भले ही भारी लग सकता है, लेकिन ये आपके जीवन में बदलाव लाने के लिए आता है। हालांकि, ज्योतिष शास्त्र में खराब शनि की दशा के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए कई उपाय प्रदान कर सकता है। अगर आपकी कुंडली में भी शनि की महादशा है तो आपके जीवन में कई संघर्ष आ सकते हैं। शनि की महादशा को कम करने और इसके नकारात्मक प्रभाव को रोकने के लिए आप सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी के बताए उपायों को आजमा सकती हैं।

शनि की महादशा और उसके प्रभाव

अगर आपकी कुंडली में किसी भी तरह की महादशा चल रही है तो सबसे बड़ा बदलाव यही होगा की आपका कोई भी काम बनते–बनते बिगड़ सकता है। इसकी महादशा के परिणाम से कुंडली में शनि की साढ़े साती का असर होने लगता है। साढ़े सात साल की वह अवधि होती है जब शनि जन्म के चंद्रमा पर गोचर करता है। वहीं शनि की महादशा यानी शनि द्वारा शासित 19 साल का चरण। इससे आपके जीवन में कई तरह के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। ये चरण अक्सर जीवन में बाधाओं, करियर में अस्थिरता, पारिवारिक विवादों या स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़े होते हैं। हालांकि आप कुछ आसान ज्योतिष उपायों से अपने जीवन में बदलाव ला सकते हैं और शनि की किसी भी दशा से बाहर आ सकते हैं।

अनुशासन का पालन करें

जब व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में अनुशासन को अपनाता है चाहे वो किसी भी नियम का पालन करना हो, या जिम्मेदारियों को सही ढंग से निभाना हो तो शनि के कुप्रभाव धीरे–धीरे कम होने लगते हैं। अनुशासन से न केवल शनि की दुष्प्रभावी ऊर्जा नियंत्रित होती है, बल्कि जीवन में सकारात्मक बदलाव भी आते हैं।

अपने भीतर के घमंड की कम करें

शनि की महादशा के प्रभाव को कम करने के लिए अपने भीतर के घमंड को त्यागना बहुत आवश्यक है। शनि ग्रह विनम्रता और संतुलित व्यवहार का प्रतीक है, इसलिए अहंकार या स्वयं को सर्वश्रेष्ठ समझने की प्रवृत्ति शनि के प्रभाव को बढ़ा सकती है। यदि आपको लगता है कि हर काम केवल आप ही कर सकते हैं या आपकी क्षमता ही सर्वोपरि है, तो इस अहंकार को छोड़ना जरूरी है।

शनि के मंत्रों का जाप करें

यदि आपकी कुंडली में शनि की महादशा है, तो प्रतिदिन ओम शं शनैश्चराय नम : मंत्र का जाप करना अत्यंत लाभकारी होता है। इस मंत्र के नियमित जाप से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है और इसके नकारात्मक प्रभावों में कमी आती है। यह अभ्यास न केवल बाधाओं को दूर करने में मदद करता है, बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करता है। इसके अलावा, हर शनिवार शनि चालीसा का पाठ करना भी शुभ माना जाता है, जिससे जीवन की परेशानियों का समाधान मिलता है।
शनि के बुरे प्रभावों को शांत करने के लिए शनिवार को विशेष पूजा–अर्चना करना अत्यधिक प्रभावी होता है। इस दिन शनि की शिला पर सरसों का तेल चढ़ाना और पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाना शुभ फल देता है। यह कर्म शनि देव को प्रसन्न करने के साथ–साथ व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाने में भी सहायक होता है।

वर्ल्ड कप विजेता शेफाली वर्मा का रोहतक में भव्य स्वागत

ढोल-नगाड़ों और फूलों से सजी सड़कों पर उमड़े लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली शेफाली वर्मा रविवार को अपने गृह नगर रोहतक पहुंचीं। महिला विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली शेफाली वर्मा रविवार को अपने गृह नगर रोहतक पहुंचीं।

यह विश्व कप विजय के बाद उनकी पहली घर वापसी थी। दिल्ली-रोहतक हाईवे पर सांपला के पास रोहद टोल प्लाजा पर अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार और प्रशासनिक अधिकारियों ने शेफाली का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस दौरान शेफाली ने अपनी कार की सनरूफ से बाहर आकर हाथ हिलाते हुए लोगों का अभिवादन किया। चारों ओर भारत माता की जय के नारे गूंजे, लोग तिरंगा लहराते दिखे और देशभक्ति गीतों से पूरा माहौल उत्साह और गर्व से भर गया।

इसके बाद शेफाली वर्मा सर्किट हाउस पहुंचीं, जहां उनके सम्मान में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

गोल्डस्मिथ एसोसिएशन से जुड़े और परिवार के सदस्य योगेंद्र वर्मा ने कहा, यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि हरियाणा और रोहतक की बेटी ने देश को विश्व चैंपियन बनाया और अब वह अपने घर लौटी है।

पिछला एक साल संघर्षभरा था, मेहनत का फल वर्ल्ड कप में मिलाः शेफाली वर्मा

सम्मान समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत में शेफाली ने कहा कि पिछला एक साल उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा।

उन्होंने कहा, मैंने बहुत संघर्ष किया, लगातार मेहनत की और भगवान ने उसका प्रतिफल दिया। सेमीफाइनल से पहले टीम में शामिल हुई तो एक ही लक्ष्य था–भारत को जीत दिलाना।

उन्होंने कहा कि फाइनल मैच में शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखते हुए रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया और उसी के अनुसार प्रदर्शन किया।

शेफाली ने कहा, मुझे सेंचुरी नहीं बनाने का कोई अफसोस नहीं है। वर्ल्ड कप जीतना ही असली लक्ष्य था। जब देश जीतता है, तो व्यक्तिगत उपलब्धि मायने नहीं रखती।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री जी ने करीब दो घंटे हमारे साथ बिताए और हमें प्रेरित किया। यह हमारे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। युवा लड़कियों को संदेश देते हुए शेफाली ने कहा, अपने हुनर पर भरोसा रखें और मेहनत करती रहें।

अगर विश्वास और निरंतर प्रयास हो, तो कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने बताया कि फाइनल से पहले परिवार ने उनका उत्साह बढ़ाया पापा और परिवार ने मुझे मेरे पुराने प्रदर्शन याद दिलाए, जिससे मुझे आत्मविश्वास मिला।

लिएंडर पेस अब करेंगे बंगाल टेनिस का नेतृत्व, संघ के अध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने शनिवार को बंगाल टेनिस संघ (बीटीए) के अध्यक्ष पद का कार्यभार औपचारिक रूप से संभाल लिया।

भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने शनिवार को बंगाल टेनिस संघ (बीटीए) के अध्यक्ष पद का कार्यभार औपचारिक रूप से संभाल लिया। उन्होंने हिरण्मय चटर्जी का स्थान लिया। बीटीए की वार्षिक आम बैठक के बाद पेस ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण की। उन्हें पिछले महीने संघ के प्रमुख पद के लिए सर्वसम्मति से चुना गया था। पुरुष और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन पेस पहले बीटीए के मानद उपाध्यक्ष थे। उन्होंने कहा कि वे बंगाल टेनिस को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आखिरी ओवर में 12 रन नहीं बना सकी वेस्टइंडीज न्यूजीलैंड ने तीसरे टी-20 में 9 रन से हराया

कीवी टीम सीरीज में 2-1 से आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने रविवार को नेल्सन में खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 9 रन से हरा दिया। कीवी टीम ने इसी के साथ 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन बनाए, जिसके जवाब में कैरेबियाई टीम 19.5 ओवर में 168 रन पर ऑलआउट हो गई।

वेस्टइंडीज को आखिरी ओवर में जीत के लिए 12 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम यह टारगेट हासिल नहीं कर सकी। अब दोनों टीमें चौथा टी-20 मुकाबला कल यानी 10 नवंबर को नेल्सन में ही खेलेंगी, जहां वेस्टइंडीज सीरीज में बराबरी की कोशिश करेगी।

कॉन्वे का अर्धशतक– वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी-20 में डेवोन कॉन्वे और टिम रॉबिन्सन ने न्यूजीलैंड के लिए जबरदस्त शुरुआत की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 47 रन की पार्टनरशिप हुई। हालांकि, रॉबिन्सन 21 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा कॉन्वे ने 34 गेंद में 56 रन की पारी खेली।

चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरे डेरिल मिचेल ने भी 24 गेंद में 41 रन की पारी खेली, जबकि रचिन रवींद्र ने 15 गेंद में 26 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के लिए मैथ्यू फोर्ड और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट झटके। रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर को 1-1 मिला।

ईश सोढी प्लेयर ऑफ द मैच– 178 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर अमीर जंगू 13 रन के स्कोर पर आउट हो गए। जंगू (5) को जैकब डफी ने बोल्ड कर दिया। दूसरा विकेट 15 रन के स्कोर पर गिरा। शाई होप (1) को ईश सोढ़ी ने आउट किया। इसके बाद एकीम ऑगस्टे और एलिक एथानजे ने पारी को संभालने का काम किया, लेकिन कीवी गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के लिए एक भी पार्टनरशिप को मजबूत नहीं होने दिया। ऐसे में टीम ने 88 रन के स्कोर पर अपने 8 विकेट गंवा दिए।

लेकिन, लोअर ऑर्डर में रोमारियो शेफर्ड ने 49 और शमार स्प्रिंगर ने 20 गेंद में 39 रन की पारी खेलकर मैच को रोमांचक बपना दिया। हालांकि, इसके बावजूद टीम आखिरी ओवर में 12 रन नहीं बनी सकी और मैच 9 रन से हार गई। ईश सोढी ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा डफी ने भी 3 विकेट लिए। इन दोनों के बाद काइल जैमीसन, माइकल ब्रेसवेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी एक-एक विकेट अपने नाम किए।

● ईश सोढी ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इंडोनेशिया की महिला टीम टी-20 विश्व कप में प्रवेश के लिए धर्मशाला में कर रही तैयारी

धर्मशाला, एजेंसी। इंग्लैंड की ठंडी फिजाओं में जून, 2026 में होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंडोनेशिया की टीम धर्मशाला में तैयारी कर रही है। महिला क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप में प्रवेश पाने के लिए खूब पसीना बहा रही है। महिला टीम 2026 में इंग्लैंड में होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप में क्वालिफाई करना चाहती है। इसके लिए टीम ने धर्मशाला के ठंडे वातावरण में तीन दिन प्रैक्टिस की है, जबकि सोमवार को इंडोनेशिया की टीम हिमाचल के साथ ऊना में मैच खेलेगी। जानकारी के अनुसार इंडोनेशिया की महिला क्रिकेट टीम हिमाचल की ठंडी वादियों में क्रिकेट की बारीकियां सीख रही है। अगले वर्ष होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी इंग्लैंड करेगा। इंग्लैंड के क्रिकेट स्टेडियमों की स्थिति ठंडी होती है, क्योंकि वहां का मौसम सामान्यतया ठंडा और नम रहता है। इंग्लैंड की पिचें अक्सर हरी-भरी और स्विंग को बढ़ावा देने वाली होती हैं, जो मौसम के अनुरूप बदलती रहती हैं।

वहीं इन ठंडी पिचों पर खेलने के अभ्यास के लिए इंडोनेशिया की महिला टीम हिमाचल में प्रैक्टिस कर रही है। इंडोनेशिया की 14 सदस्यीय टीम भारत मूल के अपने हेड कोच विकास यादव, इंग्लैंड मूल के कोच एंडी कॉटन की अगवाई में धर्मशाला पहुंची है। महिला टीम एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रही है। टीम रविवार को भी स्टेडियम में नैट पर प्रैक्टिस करेगी।

● कोच एंडी कॉटन ने की धर्मशाला स्टेडियम की तारीफ

इंडोनेशिया की टीम के कोच एंडी कॉटन ने धर्मशाला स्टेडियम की खूबसूरती की तारीफ करते हुए कहा कि वह इंग्लैंड से संबंध रखते हैं। ऐसे में धर्मशाला और इंग्लैंड के मौसम में कुछ ज्यादा अंतर नहीं है। उनकी टीम का प्रयास रहेगा कि वह अगले वर्ष इंग्लैंड में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन करे। कोच ने बताया कि धर्मशाला आने का उनका मकसद यहां की ठंडी पिचों पर प्रैक्टिस करना है। इसके अलावा एचपीसीए की ओर से महिला टीम के साथ कुछ मैच भी रखे हैं, जिसका वह फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ी जितना अन्य टीमों के साथ खेलेंगे, उनके प्रदर्शन में उतना ही सुधार होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि धर्मशाला में खिलाड़ियों द्वारा किए जा रहे अभ्यास से इंग्लैंड की स्विंग करती हुई पिचों पर खेलने में मदद करेगी।

आरसीबी की नई

असिस्टेंट कोच होंगी अन्या श्रुबसोल फ्रेंचाइजी ने कर दी पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर अन्या श्रुबसोल को असिस्टेंट कोच नियुक्त करने की पुष्टि की है। वनडे वर्ल्ड कप 2017 की विजेता पहली बार विमेंस प्रीमियर लीग (डब्लूपीएल) में आरसीबी के सेटअप का हिस्सा होंगी। अन्या श्रुबसोल अब मलोलन रंगराजन के साथ जिम्मेदारी संभालेंगी, जिन्हें आगामी सीजन के लिए हेड कोच के रूप में पदोन्नत किया गया है। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा करते हुए लिखा, एक चैंपियन, अब हमारी लड़कियों का मार्गदर्शन करने के लिए आगे आ रही हैं। इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज, 2017 महिला विश्व कप विजेता और फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहीं अन्या श्रुबसोल का डब्लूपीएल में आरसीबी के असिस्टेंट कोच के रूप में स्वागत करने में हमारे साथ शामिल हों। अन्या का अनुभव और चैंपियन मानसिकता आरसीबी के प्लेबोल्ड दर्शन को आगे ले जाएगी। श्रुबसोल साल 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले चुकी हैं। उनके नाम 200 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं। श्रुबसोल ने अब अपना ध्यान कोचिंग पर केंद्रित कर लिया है। वह इंग्लिश घरेलू सर्किट में सदर्न वाइपर्स में चार्लोट एडवर्ड्स के अधीन प्लेयर-असिस्टेंट कोच के रूप में काम कर चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि यह बदलाव 2024 और 2025 के अभियानों के दौरान आरसीबी के हेड कोच रहे ल्यूक विलियम्स के बिग बैश लीग (बीबीएल) में एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण सीजन से बाहर होने के बाद हुए हैं। आरसीबी ने इस सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी से पहले स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिस पेरी और श्रेयंका पाटिल को टीम में बनाए रखने की घोषणा की है। डब्ल्यूपीएल 2024 में आरसीबी को जीत दिलाने वालीं कप्तान स्मृति मंधाना अपनी भूमिका जारी रखेंगी। उन्हें 3.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज घोष ने भी 2.75 करोड़ रुपये में फ्रेंचाइजी के साथ फिर से करार किया है। एलिस पेरी 2 करोड़ रुपये में आरसीबी के साथ बनी रहेंगी, जबकि स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को 60 लाख रुपये में रिटेन किया गया है।

जोकोविच ने फैंस को चौंकाया, एटीपी फाइनल्स से नाम लिया वापस

एथेंस, एजेंसी। स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने एथेंस में शानदार जीत दर्ज करने के कुछ घंटों बाद ही एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेने का ऐलान करते हुए फैंस को चौंका दिया। नोवाक जोकोविच ने हेलेनिक चैंपियनशिप में खिताब जीता। 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने करीब 3 घंटों तक चले फाइनल में लोरेंजो मुसेट्टी को 4-6, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। इस दौरान निर्णायक सेट में 13 ब्रेक प्वाइंट और पांच बार सर्विस ब्रेक शामिल थे।

मुसेट्टी को एटीपी टूर फाइनल में लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने साल 2022 में हैम्बर्ग और नेपल्स में अपने पहले दो खिताब जीते थे। जीत के बाद जोकोविच ने सोशल मीडिया पर एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा, मुझे दुख है कि चोट की वजह से एटीपी फाइनल्स से हटना पड़ रहा है। मुझे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। मैं उन फैंस से माफी चाहता हूं, जो मुझे खेलते हुए देखने की उम्मीद कर रहे थे। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

इस फैसले के बाद मुसेट्टी अब उनकी जगह ट्यूरिन में खेले जाने वाले एटीपी फाइनल्स में शामिल होंगे। इससे पहले साल 2024 में भी जोकोविच चोटिल होने की वजह से यह टूर्नामेंट मिस कर चुके हैं। हार्ड कोर्ट पर अपने 72वें टूर-स्तरीय खिताब के साथ जोकोविच ने ओपन एरा में सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है।

जीत के बाद नोवाक जोकोविच ने कहा, मैं यह जीत ग्रीस के लोगों को समर्पित करता हूं। आप मेरा समर्थन करते हैं। आप टेनिस का समर्थन करते हैं। आपने मुझे घर जैसा महसूस कराया है। यह जीत यहां इतने सारे परिवारों के साथ और भी खास लगती है।

इस खूबसूरत टूर्नामेंट को इतना खास बनाने वाले सभी लोगों का भी बहुत-बहुत आभार।

जोकोविच ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मुसेट्टी, क्या शानदार मुकाबला था। अविश्वसनीय प्रदर्शन और टूर्नामेंट के लिए बधाई। इसे जारी रखो, तुम्हारा भविष्य उज्ज्वल है।

वैभव सूर्यवंशी-प्रियांश आर्या ओपनर नेहल वढेरा-नमन धीर को भी मौका

एशिया कप के लिए इंडिया ए की बेस्ट प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। राइजिंग स्टार्स एशिया कप का आयोजन 14 नवंबर से 23 नवंबर तक दोहा में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के सभी मैच वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए इंडिया ए टीम का ऐलान 5 नवंबर को ही कर दिया था। इस बार इंडिया को ग्रुप बी में ओमान, यूएई और पाकिस्तान ए के साथ रखा गया है।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए इंडिया ए की बेस्ट प्लेइंग इलेवन– भारत को लीग स्टेज में अपना पहला मैच 14 नवंबर को यूएई के साथ खेलना है और इसके बाद दूसरा मैच पाकिस्तान ए के खिलाफ 16 नवंबर को खेलना है और फिर आखिरी लीग मैच ओमान के खिलाफ 18 नवंबर को खेलना है। इस टूर्नामेंट के लिए एक बेहद मजबूत इंडिया ए टीम का चयन किया गया है जिसमें एक से बढ़कर एक स्टार प्लेयर्स मौजूद हैं। इस एशिया कप के लिए इंडिया को बेहद मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

विश्व चैंपियन डी गुकेश फिडे विश्व कप से बाहर, जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन ने हराया

पणजी, एजेंसी। विश्व चैंपियन डी गुकेश शनिवार को फिडे विश्व कप के तीसरे दौर में जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन से हारकर बाहर हो गए। भारत के शतरंज प्रेमियों के लिए गुकेश का तीसरे दौर से ही बाहर होना चौंकाने वाला है। गुकेश तीसरे दौर की दूसरी बाजी सामान्य समय नियंत्रण में फ्रेडरिक स्वेन से हार गए। गुकेश ने स्थिति का आकलन करने में गलती की। स्वेन ने अंतिम खेल में अपने बेदाग कौशल का प्रदर्शन करके इतिहास रच दिया। अर्जुन एरिगैसी और आर प्रज्ञानंदा अंतिम-32 चरण में जगह बनाने में सफल रहे।

एरिगैसी और प्रज्ञानंदा ने क्रमशः उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव और आर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान को हराकर अंतिम-32 में जगह बनाई। एरिगैसी के लिए अगले दौर में पहुंचने के लिए ड्रॉ की जरूरत थी, जबकि प्रज्ञानंदा ने शुक्रवार को पहला मैच ड्रॉ खेलने के बाद शानदार खेल दिखाते हुए जीत हासिल की।

ग्रैंडमास्टर पी. हरिकृष्णा और वी. प्रणव ने भी अंतिम-32 चरण में जगह बनाई। उन्होंने बेल्जियम के डैनियल दर्धा और लिथुआनिया के टिटास स्ट्रेमाविसियस को समान 1.5-0.5 के अंतर से हराया। हरिकृष्णा कट बनाने वाले पहले भारतीय थे। वह सफेद मोहरों से कुछ नहीं कर पाए थे, और भारतीय के खिलाफ पहली बाजी हार निर्णायक साबित हुई। प्रणव ने शुक्रवार को सफेद मोहरों से पहली बाजी जीतने के बाद काले मोहरों से बाजी ड्रॉ कर ली। स्ट्रेमाविसियस ने प्रणव की रक्षापंक्ति को भेदने की भरपूर कोशिश की, लेकिन प्रणव ने रूक-एंड-पॉन्स एंडगेम में खेल को ड्रॉ पर ला दिया।

दिप्तयान घोष अर्मेनियाई गैब्रियल सर्गिसियन के खिलाफ हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पहले गेम में सफेद मोहरों से आसान ड्रॉ हासिल करने के बाद, दिप्तयान, जिन्होंने पिछले राउंड में रूस के इयान नेपोमनियाची को हराया था, दूसरे गेम में अपनी लय नहीं पकड़ पाए और 0.5-1.5 से हार गए।

शनिवार का दिन डी गुकेश के बाहर होने की वजह से चौंकाने वाला रहा। भारतीय दल को विश्व कप में गुकेश से बड़ी उम्मीद थी।

न्यूज डायरी

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने चंडीगढ़ तमिल संगम की सेवा भावना और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता की सराहना की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने रविवार को चंडीगढ़ तमिल संगम की 55वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान सामाजिक कल्याण, शिक्षा और सांस्कृतिक सद्भाव में इसके निरंतर योगदान के लिए इसकी सराहना की। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित थीं।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने समारोह को संबोधित करते हुए इस ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बनने पर अपार प्रसन्नता व्यक्त की और याद दिलाया कि कैसे तमिल समुदाय के सदस्य लगभग छह दशक पहले चंडीगढ़ आए थे, जब स्वतंत्रता के बाद सिटी ब्यूटीफुल का निर्माण हो रहा था। उन्होंने कहा, 'सिटी ब्यूटीफुल के निर्माण और रखरखाव में आपका योगदान अत्यंत सराहनीय है।'

उन्होंने संगम द्वारा अपनी एमरल्ड जुबली को दान के उत्सव के रूप में मनाने की पहल की सराहना की। इसके साथ ही, उन्होंने विद्या धनम पहल के माध्यम से वंचित बच्चों में शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों की शिक्षा का समर्थन करके राष्ट्र निर्माण के प्रति आपके समर्पण को देखकर बहुत खुशी होती है।' उन्होंने चंडीगढ़ के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने में तमिल परंपराओं और मूल्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए तमिल संगम के प्रयासों की सराहना की। कलाकारों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि आज का उत्सव, तमिल रीति-रिवाजों, परिधानों और परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए, एक समृद्ध और मनमोहक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

इससे पहले, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री जेएम बालामुरुगन ने स्वागत भाषण दिया, जबकि आईएएस श्री सीजी रजनीकांतन ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में राज्यपाल के सचिव आईएएस श्री डीके बेहेरा, आईएएस श्री माधवन (सेवानिवृत्त), आईएएस श्रीमती राजी पी श्रीवास्तव, आईएएस श्री राजशेखरन, श्री शक्ति पेरुमल और चंडीगढ़ तमिल संगम के सदस्य शामिल थे।

करनाल जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय आवासन, ऊर्जा एवं शहरी मामले के मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को करनाल में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने इस दौरान केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तेजी लाने के निर्देश दिए। मंत्री ने बैठक में 11 विभागों की 22 महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कि योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिले तथा विकासात्मक परियोजना को जल्द धरातल पर लाया जाए।

बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी अपने स्तर पर जिला से संबंधित विकासात्मक परियोजनाओं तथा जन कल्याणकारी योजनाओं का आवश्यकतानुसार प्लान तैयार करें, केवल लक्ष्य पूरा करने तक सीमित न रहें। उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री शहरी व ग्रामीण आवास योजना के लिए ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों को आवेदन करने के लिए प्रेरित करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कृषि विभाग की 'आत्मा योजना' की समीक्षा के दौरान कृषि विभाग के उपनिदेशक को निर्देश दिए कि वे किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित करें और उन्हें प्रशिक्षण भी दिलवाएं ताकि किसान कम लागत में अच्छा मुनाफा अर्जित कर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

केंद्रीय मंत्री ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पीएम मुद्रा योजना के तहत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए लोन दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजना का लाभ मिले इसके लिए लोगों को आवेदन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले 5 वर्षों में पीएम आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी 3 करोड़ मकानों का राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किया गया है। देश भर में एक करोड़ शहरी व 2 करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में मकान बनाए जाएंगे। पोर्टल पर आवेदन मांगे गए हैं।

उन्होंने कहा कि रोजगार की दृष्टि से वीटा बूथ योजना एक अच्छी योजना है इसका और सरलीकरण किया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग आवेदन करके लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि स्वनिधी योजना के तहत छोटे दुकानदारों (स्ट्रीट वेंडर्स) के लिए ऋण की राशि बढ़ाई गई है। इस योजना के तहत दिए जाने वाले ऋण को 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये और 20 हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये किया गया है। 50 हजार रुपये के ऋण के साथ अतिरिक्त 30 हजार रुपये की राशि का क्रेडिट कार्ड दिया जा रहा है ताकि रिवोल्विंग फंड का इस्तेमाल बार -बार किया जा सके। ऐसी छोटी-छोटी स्कीमों का लाभ उठाने से समाज के गरीब लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव आता है।

एजेंट के जाल में फंसे अंबाला के दो युवा रूस से डिपोर्ट होकर लौटे, ऊर्जा मंत्री अनिल विज को दी शिकायत, पुलिस को सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने अंबाला छावनी के डिफेंस कॉलोनी के दो युवकों को अवैध रूप से रूस भेजने वाले दो एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश पुलिस को दिए हैं। श्री विज रविवार को अंबाला छावनी में अपने आवास पर जनसुनवाई के दौरान अंबाला छावनी विधानसभा क्षेत्र से आए नागरिकों की समस्याएं सुन रहे थे। डिफेंस कॉलोनी निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि गांव पंजोखरा साहिब और दयालबाग निवासी दो एजेंटों ने उसे जॉर्जिया भेजने का झांसा दिया और इसके बदले पांच लाख रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता ने एजेंटों को रकम सौंप दी, लेकिन उसे जॉर्जिया के बजाय मक्का भेज दिया गया। बाद में एजेंटों ने उसे अवैध रूप से टूरिस्ट वीज़ा पर रूस भेज दिया, जहां स्थानीय पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। शिकायतकर्ता को लगभग दो महीने जेल में रखा गया और फिर भारत वापस डिपोर्ट कर दिया गया। उसने आरोप लगाया कि एजेंटों ने उसके साथ करीब 8.5 लाख रुपये की ठगी की।

इसी प्रकार, दूसरे युवक ने भी इन दोनों एजेंटों पर अवैध रूप से रूस भेजने और धोखाधड़ी करने के आरोप लगाए। उसने बताया कि रूस पहुँचने के बाद उसे वर्क परमिट नहीं मिला और जब उसने एजेंट से संपर्क किया, तो उसे धमकियाँ दी गईं। बाद में रूस की पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर भारत डिपोर्ट कर दिया। युवक ने एजेंटों पर लगभग 9 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया है।

दोनों मामलों की गंभीरता को देखते हुए मंत्री अनिल विज ने पुलिस अधिकारियों को तत्काल जांच शुरू करने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ऊर्जा मंत्री ने कई अन्य शिकायतें भी सुनी और संबंधित विभागों और अधिकारियों को तुरंत और प्रभावी कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

हिंद दी चादर मैराथन को हरी झंडी, 61 हजार युवाओं ने लिया भाग

● **श्री गुरु तेग बहादुर से प्रेरणा ले देश व समाज के लिए काम करें- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय आवासन, ऊर्जा एवं शहरी मामले मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि श्री गुरु तेग बहादुर की शहादत से प्रेरणा मिलती है कि हमें समाज, धर्म और देश के लिए काम करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री रविवार को करनाल में एनडीआरआई चौक पर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित हिंद की चादर मैराथन को हरी झंडी दिखाने से पहले लोगों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर के 350 साला शहीदी दिवस पर करनाल के साथ-साथ देश भर में यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज हजारों नौजवान 9वें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर की शहादत को नमन करने के लिए एकत्र हुए हैं। यहां आयोजित यात्रा इतिहास रच रही है। यह यात्रा केवल दौड़ नहीं बल्कि देश को आजादी कराने वालों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करने के लिए एक उत्साह, जज्बा व भावना है। उन्होंने कहा कि आज सैकड़ो युवाओं ने 21 किमी लंबी व 10 किमी लंबी दौड़ में हिस्सा लिया है और अब लगभग 61 हजार युवक-युवतियां 5 किमी लंबी दौड़ में भाग ले रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली के चांदनी चौक स्थित गुरूद्वारा शीश गंज के स्थान पर श्री गुरू तेग बहादुर का धड़ सिर से अलग कर दिया गया था। उन्होंने गुरू साहब के शीश को दिल्ली से आनंदपुर साहिब ले जाने की घटना के दौरान हरियाणा की धरती से जुड़े एक बलिदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि सोनीपत जिला के बड़खालसा गांव के एक नौजवान ने गुरु जी के शीश को मुगल सेना से बचाने के लिए अपना शीश अर्पित कर दिया।

मैराथन को हरी झंडी

केंद्रीय मंत्री ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई और यात्रा पर पुष्प वर्षा की। इससे पहले मंत्री की उपस्थिति में 'हिंद की चादर, तेग बहादुर' गीत लांच किया गया। इस अवसर पर कीर्तन के अलावा शब्द गायन भी किया गया। मैराथन में शामिल लोगों ने 'बोले सो निहाल' और 'भारत माता की जय' के जयकारे लगाए। उनमें गजब का उत्साह, जोश तथा श्रद्धा व भक्ति भाव था। इस मौके पर युवाओं ने गटके का भी प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में युवा मैराथन में भाग लेने के लिए प्रातः 5 बजे ही एनडीआरआई चौक पर पहुंच गए। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री को कृपाण व गुरु तेग बहादुर जी का चित्र भेंट किया गया। इस मौके पर विधायक जगमोहन आनंद, इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, नीलोखेड़ी के भगवानदास कबीरपंथी, उपायुक्त उत्तम सिंह, एसपी गंगा राम पूनिया, मेयर रेणु बाला गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर सहित प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

बुडो काई डु एमएमए फेडरेशन ने गोवा में राष्ट्रीय थांग-ता मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप में कई पदक जीते

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय बुडो काई डु मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स फेडरेशन ने 28 से 30 अक्टूबर 2025 तक मडगांव, गोवा में आयोजित XXXI सब जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय थांग-ता मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप में शानदार सफलता का जश्न मनाया।

भारतीय दल ने अपने कौशल, समर्पण और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कीः

स्वर्ण पदक विजेताः प्रीति, गगनदीप सिंह सिद्धू, देवी सिंह, हरेश पांचाल, जसविंदर सिंह, गुरभेज सिंह, अर्शदीप सिंह, दीपक

रजत पदक विजेताः सोनिज, रोहित मंधान, नवदीप सिंह, केशव राणा, मंजीत कौर, हरप्रीत कौर, हरमनदीप सिंह

कांस्य पदक विजेताः वंशदीप सिंह, मोहित, हरविंदर सिंह, नामप्रीत सिंह, लक्ष्य कौशल, लवप्रीत सिंह, हरदीप सिंह

टीम की सफलता उनके कोचों के समर्पण और विशेषज्ञता द्वारा निर्देशित थीः मोहन लाल, रविंदर पाल शर्मा, सुमन लता शर्मा और हरप्रीत कौर।

भारतीय बुडो काई डु मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स फेडरेशन के अध्यक्ष शरणजीत सिंह ने एथलीटों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए कहा, 'हमारे खिलाड़ियों ने असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया है। यह उपलब्धि बुडो काई डो के लिए गर्व का क्षण है और हमारे एथलीटों और प्रशिक्षकों की कड़ी मेहनत और अनुशासन को दर्शाती है।

11वीं के छात्र ने पिता की लाइसेंसी पिस्तौल से साथी छात्र को मारी गोली, हालत गंभीर

गुरुग्रामः गुरुग्राम के सेक्टर-48 स्थित एक फ्लैट में शनिवार रात क चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां कक्षा 11 के एक छात्र ने अपने सहपाठी को अपने पिता की लाइसेंसी पिस्तौल से गोली मार दी।

गोली छात्र की गर्दन में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस ने सदर थाना में मामला दर्ज कर दोनों नाबालिग आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। मौके से एक पिस्तौल, दो मैगज़ीन, 70 कारतूस और एक खोखा बरामद किया गया है।

क्या हुआ था घटना से पहले

पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार रात करीब 9:30 बजे सेक्टर 48 के एक फ्लैट में हुई। तीन सहपाठी वहां मौजूद थे। आपसी कहासुनी के दौरान एक छात्र ने अपने पिता की लाइसेंसी पिस्तौल से दूसरे पर फायर कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, घायल छात्र को अस्पताल पहुंचाया और बाकी दो छात्रों को हिरासत में ले लिया गया।

मां की शिकायत पर मामला दर्ज

घायल छात्र की मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि, "शनिवार को मेरे बेटे के स्कूल के एक दोस्त का फोन आया कि वह उससे मिलना चाहता है। पहले मेरे बेटे ने मना किया, लेकिन उसका दोस्त कहने लगा कि वह खुद लेने आ रहा है। तब मैंने बेटे को जाने के लिए

कहा। वह खेड़की दौला टोल पहुंचा, जहां उसका दोस्त मिला।"

उन्होंने आगे कहा, "करीब दो महीने पहले मेरे बेटे की उस दोस्त से झगड़ा हुआ था। उसी रंजिश के चलते उसने एक अन्य साथी के साथ मिलकर मेरे बेटे को अपने घर बुलाया और जान से मारने की नीयत से गोली मार दी।"

पुलिस जांच में सामने आई रंजिश की बात

गुरुग्राम पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि तीनों छात्र एक ही स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ते हैं। दो महीने पहले घायल और आरोपी छात्र के बीच झगड़ा हुआ था। पुलिस प्रवक्ता ने बताया, "रंजिश के चलते आरोपी छात्र ने शनिवार रात अपने दोस्त को फोन कर बुलाया। रास्ते में खाना-पीना करने के बाद तीनों आरोपी के किराये के फ्लैट पर पहुंचे, जहां आरोपी ने पिता की पिस्तौल से फायर कर दिया।"

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के पिता पटली गांव निवासी और प्रॉपर्टी डीलर हैं। वही पिस्तौल घर में रखी थी, जिसका इस्तेमाल आरोपी ने वारदात में किया। पुलिस ने दोनों नाबालिग आरोपियों को बाल संरक्षण अधिनियम के तहत हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सभी सबूत एकत्र कर लिए हैं।

पंचकूला में लगे सरस मेले में स्वाद और संस्कृति का संगम

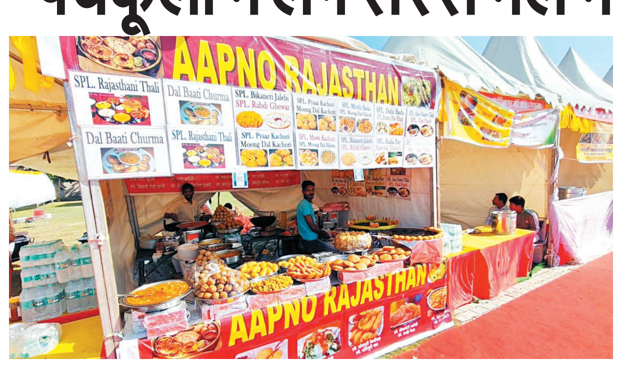

भव्य फूड कोर्ट बना आकर्षण का केंद्र

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला में आयोजित सरस मेला इस बार रंगों और स्वादों का अद्भुत संगम लेकर आया है। मेले का सबसे बड़ा आकर्षण फूड कोर्ट है, जहाँ उत्तर और पश्चिम भारत के पारंपरिक व्यंजनों की मनमोहक खुशबू वातावरण में घुली हुई है।

फूड कोर्ट में पंजाब के मक्के की रोटी और सरसों का साग, हरियाणा की बाजरे की खिचड़ी और मठरी, राजस्थान का दाल-बाटी-चूरमा और गट्टे की सब्ज़ी, महाराष्ट्र का पाव भाजी और मिसल पाव, तथा हिमाचल प्रदेश के सिद्दू और चना मदरा जैसे स्वादिष्ट व्यंजन आगंतुकों का दिल जीत रहे हैं। हर स्टॉल अपने राज्य की परंपरा और स्वाद की झलक पेश कर रहा है।

इसके साथ ही मेले में विभिन्न सामान्य स्टॉल्स भी लगाए गए हैं, जिनमें ग्रामीण हस्तशिल्प, हैंडलूम, जैविक उत्पाद, सजावटी वस्तुएँ और महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। यह मेला न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि ग्रामीण उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों के लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बिक्री का सुनहरा अवसर भी प्रदान कर रहा है।

सरस मेला पंचकूला के नागरिकों और आस-पास के क्षेत्रों के लिए हर साल की तरह इस बार भी उत्सव का माहौल लेकर आया है।

वाडा क्लब ने नशामुक्ति का संदेश दिया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के विक्ट्री अगेंस्ट ड्रग एब्यूज़ (वाडा) क्लब ने एनसीसी (नेवल विंग) और शारीरिक शिक्षा विभाग के सहयोग से 'ड्रग अब्यूज़ एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट अमंग यूथ' विषय पर एक माइंड प्रोग्रामिंग सत्र का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण को बढ़ावा देना था।

सत्र का संचालन प्रसिद्ध माइंड हीलर श्री भजन सिंह ने किया। उन्होंने स्वस्थ, रचनात्मक और सशक्त मन विकसित करने के लिए व्यावहारिक तकनीकें और सारगर्भित मार्गदर्शन साझा किया। इंटरएक्टिव अभ्यासों के माध्यम से उन्होंने तनाव प्रबंधन और नशे जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रहने के प्रभावी उपाय प्रदर्शित किए तथा विद्यार्थियों को संतुलित और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे यह आयोजन सभी के लिए एक प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक अनुभव बन गया।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस सामाजिक रूप से अत्यंत प्रासंगिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए टीम के सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की।

वर्ल्ड कप विजेता शेफाली वर्मा का रोहतक में भव्य स्वागत, ढोल-नगाड़ों और फूलों से सजी सड़कों पर उमड़े लोग

रोहतक,- महिला विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली शेफाली वर्मा रविवार को अपने गृह नगर रोहतक पहुंचीं। यह विश्व कप विजय के बाद उनकी पहली घर वापसी थी। दिल्ली-रोहतक हाईवे पर सांपला के पास रोहद टोल प्लाजा पर अतिरिक्त उपायुक्त (ADC) नरेंद्र कुमार और प्रशासनिक अधिकारियों ने शेफाली का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

इस दौरान शेफाली ने अपनी कार की सनरूफ से बाहर आकर हाथ हिलाते हुए लोगों का अभिवादन किया। चारों ओर "भारत माता की जय" के नारे गूंजे, लोग तिरंगा लहराते दिखे और देशभक्ति गीतों से पूरा माहौल उत्साह और गर्व से भर गया।

इसके बाद शेफाली वर्मा सर्किट हाउस पहुंचीं, जहां उनके सम्मान में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

गोल्डस्मिथ एसोसिएशन से जुड़े और परिवार के सदस्य योगेंद्र वर्मा ने कहा, "यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि हरियाणा और रोहतक की बेटी ने देश को विश्व चैंपियन बनाया और अब वह अपने घर लौटी है।" सम्मान समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत में शेफाली ने कहा कि पिछला एक साल उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने कहा, "मैंने बहुत संघर्ष किया, लगातार मेहनत की और भगवान ने उसका प्रतिफल दिया। सेमीफाइनल से पहले टीम में शामिल हुई तो एक ही लक्ष्य था—भारत को जीत दिलाना।"

उन्होंने कहा कि फाइनल मैच में शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखते हुए रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया और उसी के अनुसार प्रदर्शन किया। शेफाली ने कहा, "मुझे सेंचुरी नहीं बनाने का कोई अफसोस नहीं है। वर्ल्ड कप जीतना ही असली लक्ष्य था। जब देश जीतता है, तो व्यक्तिगत उपलब्धि मायने नहीं रखती।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि, "प्रधानमंत्री जी ने करीब दो घंटे हमारे साथ बिताए और हमें प्रेरित किया। यह हमारे लिए बहुत बड़ा सम्मान है।" युवा लड़कियों को संदेश देते हुए शेफाली ने कहा, "अपने हुनर पर भरोसा रखें और मेहनत करती रहें। अगर विश्वास और निरंतर प्रयास हो, तो कुछ भी असंभव नहीं है।" उन्होंने बताया कि फाइनल से पहले परिवार ने उनका उत्साह बढ़ाया "पापा और परिवार ने मुझे मेरे पुराने प्रदर्शन याद दिलाए, जिससे मुझे आत्मविश्वास मिला।"

शेफाली ने हरियाणा का नाम रोशन किया: मंत्री बेदी

मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा, "शेफाली ने सिर्फ दो मैच खेले, लेकिन दोनों में शानदार प्रदर्शन किया। वह न केवल युवाओं बल्कि सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 12 नवम्बर को शेफाली और उनके परिवार से मुलाकात करेंगे।" उन्होंने कहा कि शेफाली ने वर्ल्ड कप जीतकर देश को गौरवान्वित किया है और इस बार की दीवाली को और खास बना दिया है। शेफाली वर्मा खुले जीप काफिले में मंत्री बेदी और पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर के साथ अपने गणिपुरा स्थित निवास पहुंचीं, जहां लोगों ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया।